राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,20 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-269 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चाचा ने सगी भतीजी के साथ किया दुष्कर्म, पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरूकी जांच

क्रांति समय (सूरत)

सूरत,शहर के वराछा क्षेत्र में रहनेवाली 21 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। युवती के साथ दुष्कर्म किसी और ने नहीं उसके सगे चाचा ने किया है। चाचा की हरकतों से तंग आकर युवती ने वराछा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के महिधरपुरा क्षेत्र के कंसारा गली में रहनेवाला युवक हीरा कंपनी में काम करता है। युवक की सूरत के वराछा क्षेत्र में रहनेवाली 21 वर्षीय अपनी सगी भतीजी पर बुरी नजर थी। बहला फुसलाकर युवक ने भतीजी को अपने यहां बुलाया। जहां उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इतना ही नहीं उसने भतीजी के साथ मोबाइल में तस्वीरें भी खींच ली और उसे धमकी दी कि यदि उसने किसी को कुछ बताया तो वह तस्वीरें वायरल कर देगा। तस्वीरें वायरल होने के डर से युवती ने किसी को कुछ नहीं बताया। लेकिन युवती की खामोशी ने उसके चाचा के हौशले बढ़ा दिए। जब मौका मिलता चाचा अपनी भतीजी के साथ दुष्कर्म करता। सगे चाचा की करतूतों से तंग आकर युवती ने आखिरकार उसके खिलाफ वराछा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। युवती की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरूकी है।

अंत्योदय योजना के तहत राशन कार्ड के माध्यम से खाद्यान्न कम मिल रहा, ग्राम जनों ने दिया आवेदन

क्रांति समय (सूरत)

नवसारी,गरीबों के पेट की भूख मिटाने के लिए उन्हें सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार वर्षों से अंत्योदय योजना के तहत राशन कार्ड के माध्यम से खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है। जिसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में राशन लाइसेंस जारी किए जाते हैं, जिसमें सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार तय वजन आज गरीबों को उपलब्ध बीपीएल और एपीएल कार्ड के अनुसार दिया जाता है। चिखली तालुका के पास थाला गांव के सरपंच मुकेश नागिनभाई पटेल के पास भी इस सस्ते खाने की दुकान का लाइसेंस है. आदिवासी ग्रामीणों ने आज प्रांतीय अधिकारियों के पास एक आवेदन दायर कर आरोप लगाया है कि उन्हें पिछले कई दिनों से कम खाद्यान्न मिल रहा है और बढ़ा हुआ अनाज बर्बाद किया जा रहा है.

जब आदिवासियों ने खाने का पैसा नहीं दिया और रसीद नहीं दी तो मुकेश भाई भड़क गए।उन्होंने मामला सरपंच मुकेशभाई के सामने पेश किया। उन्होंने मांग की है कि मामला चिखली प्रांत के अधिकारी के कोर्ट में पहुंचने के बाद मामलातदार और सस्ते अनाज के दुकानदार मुकेशभाई के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए.

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में फंसे गुजराती पर्यटकों के संदर्भ में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से की बातचीत

क्रांति समय (सूरत)

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा और भारी बारिश के कारण फंसे गुजरात के पर्यटकों को आवश्यक सहायता के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से टेलीफोन पर बातचीत की गुजरात के जो पर्यटक वहां फंसे हैं उनसे संपर्क स्थापित करने और अन्य जानकारी प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर गुजरात सरकार के इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर का हेल्पलाइन नंबर शुरू किया गया है। उत्तराखंड में फंसे गुजरात के पर्यटकों के रिश्तेदार व स्नेहीजन इस हेल्पलाइन 079 23251900 फोन नंबर पर जानकारी देने के अलावा प्राप्त भी कर सकते हैं। बता दें कि चार धाम की यात्रा पर गए गुजरात के कई प्रवासी भारी बारिश और भूस्खलन के कारण उत्तराखंड में फंस गए हैं। कई गुजराती यात्रियों ने उन्हें बचाने के लिए राज्य सरकार से अनुरोध किया है। उत्तराखंड में फंसे गुजरातियों की मदद के लिए गुजरात सरकार हरकत में आ गई है और हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर दिया है। भारी बारिश और भूस्खलन से पैदा हुई स्थिति के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी से बातचीत की है और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। जानकारी के मुताबिक गुजरात के 140 से भी अधिक यात्री उत्तराखंड में फंसे हैं। जिसमें 110 यात्रियों से राज्य आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से संपर्क भी किया गया है। जबकि अन्य 70 यात्रियों से संपर्क करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। राज्य आपदा प्रबंधन की ओर से बताया गया है कि उत्तराखंड में गुजरात के सभी यात्री सुरक्षित हैं। जो भी गुजराती यात्री उत्तराखंड में हैं उनका रेस्क्यू और भोजन की व्यवस्था की गई है। राज्य आपदा प्रबंधन लगातार उत्तराखंड प्रशासन के साथ संपर्क में है

सूरत के अमरोली में पुराने झगड़े की रंजिश में एक युवक के पेट में चाकू मार दिया गया.

क्रांति समय (सूरत)

सूरत,अमरोली पुलिस ने सूरत के अमरोली से सिंगनपुर जा रहे दो दोस्तों पर हुए हमले की जांच शुरूकर दी है। पता चला है कि पुराने झगड़े की रंजिश को रफा-दफा करने के इरादे से जौहरी राजा पर हमला किया गया था. एक निजी अस्पताल में आठ घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद होश में आए राजा ने हमलावरों की पहचान कर ली और पुलिस ने माल्या बंधुओं की तलाश शुरू कर दी है।

पेट में तीन चोटें आईं मनोज नादनराज (घायलों के चचेरे भाई) ने कहा कि हमला कोसाड के पास चार भुजा सर्कल के पास हुआ। भाई राज घनश्याम बंसु यू.वी. 34 (राहे सिंगनपुर अगियारी छपरी) डायमंड कंपनी में जौहरी का काम करता है। अमरोली पर मारपीट की दुश्मनी में आवास पर हमला किया गया। भाई राजा अपने दोस्त राजू के साथ घर जा रहा था। फिर चारभुजा के पास, मोंटू और उत्तम मालिया ने राजा को मारने के लिए पेट में तीन बार और पैरों में दो बार मारा। इतना ही नहीं, बल्कि उसका दोस्त राजू, जो उसे देख रहा था, उसके पीछे दौड़ा और उसे घायल करने की कोशिश की।

" मुझे राजू का फोन आया, हम पर हमला किया गया," लालू (इजागस्त के दोस्त) ने कहा। राजा लहूलुहान है। 108 की सूचना दी। यह सुनते ही मैं दौड़ पड़ा। राजा ने 108 में वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए हमलावरों की पहचान की। माल्या बंधुओं ने उसकी हत्या करने की नीयत से हमला किया। निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने 8 घंटे के ऑपरेशन के बाद राज की जान बचाने में कामयाबी हासिल की। पैर का ऑपरेशन भी आज दो घंटे तक चला।अमरोली पुलिस ने राजा पर हमले की शिकायत दर्ज कर ली है और जांच कर रही है।

निसंतान विवाहिता के साथ विधि के नाम पर तांत्रिक ने की छेड़छाड़,पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय (सूरत)

पंचमहल,जिले के गमीरपुर गांव एक निसंतान विवाहिता को विधि के नाम पर खेत में ले जाकर तांत्रिक उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। उसी समय विवाहिता के पति और ससुर पहुंच गए और तांत्रिक को दबोच लिया। घटना सामने आने के बाद राजगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज कर तांत्रिक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक पंचमहल जिले की घोघंबा तहसील के गमीरपुर गांव में शादी के काफी समय बाद भी संतान सुख की प्राप्ति नहीं होने पर दंपत्ति ने शना राठवा नामक तांत्रिक से संपर्क किया था। तांत्रिक ने संतान प्राप्ति के लिए विधि करने को कहा7 इसके लिए दंपत्ति के राजी होने पर तांत्रिक उसके घर पहुंच गया। जहां विधि के नाम पर तांत्रिक केवल विवाहिता को लेकर खेत में पहुंचा। जहां अकेली महिला के साथ शना राठवा शारीरिक छेड़छाड़ करने लगा। उसी वक्त महिला का पति और ससुर वहां पहुंच गए और शना राठवा को दबोच लिया। अपनी करतूतों के लिए शर्मिंदा होने के बजाए शना राठवा ने महिला के पति और ससुर को उसकी हरकतें किसी को नहीं बताने की धमकी दी। लेकिन विवाहिता के पति और ससुर ने राजगढ़ पुलिस थाने में शना राठवा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने शना राठवा को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकर दी।

उत्तराखंड में गुजरात के सभी यात्री सुरक्षित : राजेन्द्र त्रिवेदी

क्रांति समय (सूरत)

अहमदाबाद,राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने उत्तराखंड में गुजरात के सभी यात्री सुरक्षित होने का न सिर्फ दावा किया बल्कि उनके रहने, खाने समेत अन्य सभी सुविधा उपलब्ध होने का भरोसा दिलाया है। उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन के बीच फंसे गुजरात के यात्रियों को लेकर गुजरात सरकार लगातार वहां की सरकार के साथ संपर्क में है। राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने कहा कि उत्तराखंड में चार धाम की यात्रा के लिए गुजरात से 80 से 100 जितने लोग गए हैं। जिसमें 6 लोग बद्रीनाथ और केदारनाथ में फंसे हैं। भारी बारिश के कारण वहां तक हेलिकॉप्टर पहुंच नहीं पा रहा। फिलहाल अच्छे मौसम की प्रतीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामे से गुजराती यात्रियों को लेकर बातचीत की है। इस बातचीत के बाद भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट कर बताया कि उत्तराखंड में हुई भारी बारिश के कारण गुजरात के कई यात्री वहां फंस गए हैं और उनके लिए तत्काल व्यवस्था उपलब्ध करवाई गई है। भूपेन्द्र पटेल गुजरात के यात्रियों को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी के साथ लगातार संपर्क में हैं। इसके अलावा केन्द्र सरकार ने सभी यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रयासरत है। राजेन्द्र त्रिवेदी ने कहा कि गुजरात सरकार ने इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर का हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। इस इमर्जंसी नंबर से उत्तराखंड में फंसे यात्रियों के परिजनों को सभी जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने दावा किया कि गुजरात के सभी यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर आश्रय दिया गया है। उनके लिए उत्तराखंड सरकार ने रहने, खाने समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं। रास्ते में फंसे कई यात्रियों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। गुजरात सरकार सभी यात्रियों को सुरक्षित वापस लाने के लिए कटिबद्ध है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दुखद हिंसा

कश्मीर में आतंकी हमलों का नया दौर दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। बाहरी लोगों और विशेष रूप से बिहारवासियों को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, उससे चिंता का दायरा बहुत बढ़ जाता है। मजदूरों और छोटे-मोटे धंधे करने वाले लोगों को मारने से किसका गौरव बढ़ रहा है? गरीबों की हत्या को आखिर किस आधार पर जायज ठहराया जा सकता है? कौन सा मजहब या कौन से राज्य की संस्कृति ऐसी हत्याओं का पक्ष ले सकती है? एक संदिग्ध संगठन ने प्रवासी मजदूरों पर हुए ताजा हमलों की जिम्मेदारी ली है और जो बहाना बनाया गया है, वह निंदनीय व हास्यास्पद है। इंसानियत पर धब्बा साबित हुए आतंकी चाहते हैं कि प्रवासी कश्मीर छोड़ जाएं, मानो कश्मीर उनकी व्यक्तिगत जायदाद हो? यह भी कहा गया है कि चूंकि बिहार में मुस्लिमों की हत्या हुई है, उसी का बदला लिया जा रहा है। बिहार या इतने बड़े देश में कहीं भी मुस्लिमों को निशाना बनाने जैसी कोई घटना नहीं है, इक्का-दुक्का हिंसक घटनाएं जो सामान्य रूप से होती आई हैं, उनमें पुलिस यथोचित कार्रवाई कर रही है। यह नहीं कहा जा सकता कि कश्मीर से बाहर देश में कहीं भी धार्मिक आधार पर विद्वेष की हवा चल रही हो। फिर भी अगर मजहब ही हत्या का आधार है, तो फिर सहारनपुर के सगीर अहमद को क्यों मारा गया? अपनी कुत्सित सुविधा के अनुसार, कभी बाहरी लोगों को, तो कभी गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाना हर लिहाज से नाकाबिले बर्दाश्त है। इन वारदात को अंजाम देकर आखिर कहां मुंह छिपाएंगे आतंकी? उन्हें ठिकाने लगाए बिना भारत में न्यायप्रियता स्थापित नहीं हो सकती। उनके कुतर्कों का जवाब सजा से ही देना चाहिए। कश्मीर में इस महीने मारे गए सभी 11 नागरिकों को न्याय मिलना चाहिए। अब सदी बदल चुकी है, आतंकवाद को भारत में कतई कामयाबी नहीं मिलने वाली। जो लोग हिम्मत करके कश्मीर पहुंचे हैं, जो लोग वहां अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर रहे हैं, उनके साथ नाइंसाफी दरअसल कश्मीर के साथ नाइंसाफी है। कश्मीर के लोगों को स्वयं ऐसी हिंसा का विरोध करना चाहिए। मानवीय और तार्किक आधार पर सोचना चाहिए। कश्मीर के दुश्मन हैं वे लोग, जो बाहरी या मजहबी आधार पर हिंसा कर रहे हैं। उनका चेहरा आज से तीस साल पहले छिप गया था, लेकिन अब नहीं छिपना चाहिए। भारत में हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी हिंसा या सांप्रदायिकता के खिलाफ सावधान रहे। जो लोग कश्मीर में अमन चाहते हैं, उनके लिए यह परीक्षा की घड़ी है। यह अच्छी बात है कि बिहार सरकार अब कश्मीर में मारे जा रहे बिहारवासियों के परिजनों के साथ खड़ी हो गई है। हर राज्य को अपने नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति सचेत रहना ही चाहिए। अगर बिहारवासी को कहीं सताया जा रहा है, तो इसकी चिंता बिहार के लोगों के साथ-साथ सरकार को भी होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के लोगों का इस देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है, इनके हित में देश में नई सजगता आनी चाहिए। कश्मीर में जो मजदूर मारे गए, उन्हें बिहार सरकार ही अकेले मुआवजा क्यों दे, क्या केंद्र सरकार को भी आगे नहीं आना चाहिए? कश्मीर में पूरी राजनीतिक बिरादरी को एकजुट होकर आगे आना होगा, ताकि हिंसा के नए दौर को समय रहते समाप्त किया जा सके और कश्मीरियत के दामन पर और दाग न लगे।

'आज के ट्वीट

नि:शुल्क

रीट-2021 की तरह ही अक्टूबर माह में प्रस्तावित पटवारी भर्ती परीक्षा एवं इसके बाद आयोजित होने वाली आरएएस प्रारंभिक परीक्षा के सभी अभ्यर्थियों को नि:शुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

-- मु. अशोक गहलोत

हर हाथ को काम से ही नवजीवन का संचार

सुरेश सेठ

आम आदमी के लिए पिछले डेढ़ बरसों में जीना दूभर होता जा रहा था। पिछले साल के प्रारंभिक महीनों से जिंदगी असामान्य हो गयी थी। कोरोना महामारी के प्रकोप और उसके नित्य बढ़ते विस्तार की दहशत तब इतनी थी कि इसका सामना पूर्णबंदी की घोषणा के साथ जीवन को किसी अन्धकूप में डाल देने की स्थिति के साथ हुआ। इसने देश की आर्थिकता पर वज्रपात-सा आघात किया। उत्पादन गतिविधियां बन्द, शिक्षा से लेकर खेल के मैदान तक सब निर्जीव, आदमी, आदमी की सांस से सहमता हुआ। तब आर्थिक विकास दर जो स्वत: स्फूर्त हो जाने के सपने देख रही थी, शून्य से नीचे गिरकर नेगेटिव सात प्रतिशत तक चली गयी, वहीं सकल घरेलू उत्पादन ने भी तेईस प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट दिखा दी। यह सही है कि कोरोना लहर के दबने के साथ इस वर्षान्त तक प्रतिबंध हटा, अपूर्णबन्दी के समझौतों के साथ निर्जीव अर्थव्यवस्था को उदार साख नीति और पहले रिकार्ड आर्थिक बूस्टर के साथ प्राण देने की कोशिश की गयी। लेकिन इससे पहले कि आशावादी आंकड़ा शास्त्रियों की 'अच्छे दिन लौट आने' की उड़ान के साथ बेरंग चेहरों पर मुस्कान लौटती, सन 2021 अर्थात इस वर्ष के पहले महीनों में ही कोरोना की दूसरी लहर ने अधिक संक्रामक रूप के साथ देश के हर राज्य में दस्तक दे दी। यह सही है कि सोलह जनवरी से देश में कोरोना निरोधी टीका अभियान शुरू कर दिया गया था। मौजूदा सरकार ने देश की नौकरशाही के ढीले-ढाले रवैये, चिकित्सा ढांचे की असमर्थता के बावजूद इस टीकाकरण को रिकार्ड स्तर पर चलाने का प्रयास किया। एक करोड़ टीका प्रतिदिन लगा देने का लक्ष्य रखा गया है। 97 करोड़ टीके लग चुके हैं। सौ करोड़ को छूने का लक्ष्य है। लेकिन बड़ी कमी अभी यह कि टीकों की पहली खुराक के बाद, सबको दूसरी खुराक भी लगानी है। अभी तक यह खुराक केवल एक-चौथाई आबादी से अधिक को नहीं लग सकी। सबको लगे, यह पहला अभीष्ट है। फिर चर्चा है कि धूर्त कोरोना का वायरस पल-पल रूप बदलता है, इसलिए तीसरी खुराक का बूस्टर भी सम्भवत: लगाना पड़े। फिर इन टीकों को लेकर चिकित्सा विशारदों की एक समस्या है कि ये टीके कोरोना उन्मूलक नहीं, संक्रमित की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा उसके अस्पताल में दाखिल होने की जरूरत को कम करते हैं। टीका लगवाने के बाद भी सामाजिक अन्तर न रखो तो कोरोना से संक्रमित हो सकते हो, हां उसकी घातकता अब इतनी नहीं होगी। फिर हम इस साल के उत्तरार्द्ध में आ गये। इस बीच टीकाकरण अभियान के साथ-साथ देश ने कोरोना की दूसरी लहर भी झेल ली। यह अधिक संक्रामक और अधिक मारक थी। जब यह लहर ज्वार पर थी तो उसने देश की चिकित्सा व्यवस्था की असमर्थता और निजी चिकित्सा व्यवस्था के बाजारूपन को बेनकाब कर दिया। ऐसे विकट दिनों में असामाजिक मुनाफाखोर अपनी हरकतों से बाज नहीं आये। प्राण वायु देने वाले आक्सीजन के सिलेंडरों और प्राणरक्षक रेमडेसिविर जैसी दवाओं की खुलकर ब्लैक हुई। सरकारी आंकड़ा शास्त्रियों ने चाहे सिलेंडरों की कमी और ब्लैक से होने वाली मौतों को नकारा, लेकिन वास्तविकता यह है कि जिन बड़े अस्पतालों को अपने आक्सीजन प्लांट लगाने के आदेश दिये गये थे, उनका पालन कोरोना की तीसरी लहर के आने के भय से अब करवाया जा रहा है। वेंटिलेटर की कमी और उसके चलाने वाले प्रशिक्षित कर्मियों का अभाव अब आड़े न आये, इसकी दिलासा अब दी जा रही है। लेकिन कोरोना की तीसरी लहर के फैलने की आशंका और विश्व के कुछ अति सम्पन्न देशों में कोरोना की चौथी लहर के फैलने के संकेत अभी भी चेतावनी दे रहे हैं कि देश को अपने जीने के ढंग में परिवर्तन करना होगा। देश को आर्थिक निष्क्रियता से छुटकारा दिलाना आवश्यक है। जीवन को धीरे-धीरे पटरी पर लाना है। इस देश के लोगों ने पिछले डेढ़ बरस में कोरोना की इस विकट महामारी और संक्रमण के संहारक दिनों का अपूर्व धीरज और अनुशासन के साथ सामना किया है। लेकिन अब कोरोना लहर के दबने के साथ और तीसरी लहर के ना आने के साथ यह खुलता हुआ जीवन जिम्मेदारी और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की भावना का वहन करते हुए दिखायी नहीं दे रहा। अभी नवरात्रों में हिमाचल और उत्तराखंड के धार्मिक स्थलों में पर्यटकों की भारी भीड़ एक चेतावनी भी देती है कि जिओ लेकिन होश के साथ। तब तक चिकित्सा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कोरोना उन्मूलक अन्तर को अपने जीवन का अनिवार्य अंग बनाना होगा। तभी शिक्षा परिसरों, खेल के मैदानों और उद्यम स्थलों में सामान्य जिंदगी की चमक लौटेगी। उद्यम और निवेश की वापसी के लिए अभी भारत सरकार ने छह लाख करोड़ रुपये से अधिक का दूसरा आर्थिक बूस्टर दिया है। कोरोना से मुकाबला करने में अभी तक देश का किसान और ग्रामीण क्षेत्र दबंग रहा। लेकिन आत्मनिर्भर भारत के नारे को सार्थक करने के लिए कृषि की दूसरी क्रांति को अब सम्पूर्ण और समावेशी बनाना होगा। पहली कृषि क्रांति की एकाकी सफलता के बाद अब इसे और स्थगित नहीं किया जा सकता। कोरोना की दोनों लहरों के विकट समय में हमारे शहरों और विदेशों से लाखों की तादाद में उखड़ कर श्रम शक्ति गांवों में चली आयी है। खेतों की उत्पादकता इतनी नहीं कि इस अतिरिक्त श्रम शक्ति को अपनी बाहों में समेट सके। लौटो गांव की ओर का नारा तभी सार्थक होगा, जब गांवों में लौटी इस बड़ी आबादी को कृषि के अतिरिक्त सहयोगी काम धंधे दिये जा सकें। लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को आर्थिक प्रोत्साहन देने की सरकारी घोषणा हो गयी है। आव्रजक युवा शक्ति के एफपीओ बनाकर इन्हें इन उद्योगों के लिए संगठित करना पड़ेगा। इसके लिए उदार साख नीति से ही काम नहीं चलेगा। अभी इन्हें जिन्दा करने के लिए घोषित रिजर्व बैंक की नयी मौद्रिक नीति में ब्याज दर को हिलाया नहीं गया। उन्हें उसी निवेश प्रोत्साहन निचली ब्याज दरों पर रखा गया है। लेकिन नया निवेश लाभ प्रेरित होता है। इसके लिए आज सबसे बड़ा अवरोध बाजारों में मांग की कमी है। यह कमी कोरोना प्रकोप की वजह से फैली रिकार्डतोड़ बेरोजगारी से पैदा हुई है। काम मांगते हुए करोड़ों खाली हाथों को रोजगार दीजिये। इन्हें वेतन मिलेगा तो मांग अपने आप अधिक हो जायेगी। इस समस्या का अन्त खैरात और राहत संस्कृति की नित्य नयी घोषणाओं में नहीं है। काम मांगते हाथों को काम देने से होगा। जितनी जल्दी यह हो सके, उतना बेहतर।

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

श्रद्धा

श्रीराम शर्मा आचार्य

अब एक और नई बात शुरू करते हैं। नई बात यह है कि यह मिशन हमने कितने परिश्रम से बनाया? कितना विस्तार इसका हो गया, कितना फैल गया, कितना खुल गया? कितना विस्तार होता जाता है? आप सुनते रहते हैं न, हजार कुण्ड के यज्ञीय समाचार आपको मिलते हैं। आपको 2400 शक्तिपीठों की स्थापना की बात मिलती है। इस साल जो युग-निर्माण सम्मेलन हुए है उन सम्मेलनों की बात याद है। यहां तक कि शिविर चलते हैं उनकी बात याद है। गवर्नमेंट के कितने शिविरों को हम चलाते हैं, इसकी बात याद है। यहां की फिल्म स्टूडियो, टीवी स्टूडियो, फिल्म चलाने वाले हैं-यह सब बातें आपको याद हैं। बहुत बड़ा काम है। बहुत बड़ी योजना है। इस काम को हमने आरम्भ किया, लेकिन अब यह जिम्मेदारी हम आपके सुपुर्द करते हैं। आपमें से हर आदमी को हम यह काम सौंपते हैं कि आप हमारे बच्चे के तरीके से हमारी दुकान चलाइए, बंद मत होने दीजिए। हम तो अपनी विदाई ले जाएंगे, लेकिन जिम्मेदारी आपके पास आएगी। आप कपूत निकलेंगे तो, फिर आदमी आपकी बहुत निंदा करेगा और हमारी बहुत निंदा करेगा। कबीर का बच्चा ऐसा हुआ था जो कबीर के रास्ते पर चलता नहीं था, तो सारी दुनिया ने उससे यह कहा-'बूढ़ा वंश कबीर का, उपजा पूत कमाल।' आपको कमाल कहा जाएगा और कहा जाएगा कि कबीर तो अच्छे आदमी थे, लेकिन उनकी संतानें दो कौड़ी की भी नहीं हैं। आपको दो कौड़ी की संतानें पैदा नहीं करना है। आपको इस कार्य का विस्तार करना है। जो काम हम करते रहे हैं, वह अकेले हमने नहीं किया। मिल-जुल करके ढेरों आदमियों के सहयोग से किया है और यह सहयोग हमने प्यार से खींचे हैं, समझा करके खींचे हैं, आत्मीयता के आधार पर खींचे हैं। ये गुण आपके भीतर पैदा हो जाएं तो जो आदमी आपके साथ-साथ काम करते रहते हैं, उनको भी मजबूत बनाए रहेंगे और नये आदमी जिनकी कि इससे आगे भी आवश्यकता पड़ेगी। अभी ढेरों आदमियों की आवश्यकता पड़ेगी। आपको संकल्प का नाम याद है न-'नया युग लाने का संकल्प। 'नया युग लाने का संकल्प दो आदमियों का काम है, चार आदमियों का काम है, हजारों आदमियों का काम है। जो काम हमने अपने जीवन में किया है, वही काम आपको करना है। नये आदमियों को बुलाने का भी आपका काम है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वाणी से पहचानें कौन कैसा है?

- डॉ. दीपक आचार्य

व्यक्ति के जीवन में सफलता-असफलता का सर्वोपरि संकेतक है वाणी। इसी से पहचाना जा सकता है कि कौन कैसा है, किस तरह का है और उसका भविष्य क्या होगा। जब दो या तीन लोग आपस में चर्चा कर रहे हों और उनकी आवाज पन्द्रह-बीस फीट और इससे दूर तक भी सुनाई दे, इसी प्रकार जो लोग बिना जरूरत के जोर-जोर से बोलते हैं, चिल्ला-चिल्ला कर बातें करते हैं, वे नीच किस्म के होते हैं और उनका व्यक्तित्व पीपे की तरह खोखला किन्तु बजते हुए शोर मचाने वाला होता है। जबकि जो लोग उतना ही तेज बोलते हैं कि पास खड़े या बैठे व्यक्ति तक अच्छी तरह सुनाई पड़े, वे भारी और समृद्ध व्यक्तित्व के धनी होते हैं। इसी प्रकार जो लोग जरूरत से भी कम वोल्यूम में बोलते हैं वे भ्रष्ट और पाखण्डी होते हैं या फिर अपराधबोध से ग्रस्त अथवा अज्ञात भय से ग्रस्त। इनमें अपवाद संभव है। जिन लोगों की वाणी स्पष्ट नहीं होती, उनमें भी अधिकांश भ्रष्ट और बेपटरी होते हैं। खूब सारे लोग होते हैं जिनके कण्ठ से वाणी निकलती ही नहीं, बोलते भी हैं तो लगता है कि जैसे मर-मर कर बोल रहे हैं। वाणी की स्पष्टता न होना किसी न किसी रूप में चित्त या शरीर की अशुद्धि, बुरी आदतों और चतुर स्वभाव का संकेत है। आपस में वार्तालाप धीरे-धीरे करने वाले किन्तु दूसरे लोगों को देखते ही अपने आपको कर्मरत दिखाने की गरज से जोर-जोर से चिल्ला कर काम करने वालों की संख्या आजकल अधिक होती जा रही है। ऐसे लोग कम समय और न्यून परिश्रम में अधिक से अधिक पाने और बिना मेहनत के श्रेय पाने के लिए सदैव आतुर रहा करते हैं। बातचीत और वाणी का प्रभाव तभी पड़ता है जब व्यक्ति मितभाषी हो, अर्थात् बिना वजह बोलने से परहेज रखने वाला हो। ऐसे व्यक्ति जो कुछ बोलते हैं उनके शब्दों में ऊर्जा समाहित होती है इसलिए कम शब्दों में अभिव्यक्ति होने पर भी इनके शब्दों का असर प्रभावी होता है। इसके ठीक विपरीत जो लोग अधिक बोलते रहने की आदत पाले होते हैं वे सैकड़ों-हजारों शब्दों का वमन करने के बावजूद न तो अपनी बात को साफ ढंग से समझा सकते हैं, न उनके भाषणों, सीख या किसी भी बात का कोई प्रभाव पड़ता है। इसका कारण यह है कि उनके शब्द ऊर्जा हीन एवं खोखले होते हैं। वाणी परमाणु ऊर्जा से अधिक समर्थ एवं अपरिमित शक्ति सम्पन्न होती है। ऐसे में इसका जितना कम से कम उपयोग होता है, उतनी दिव्य, माधुर्य और प्रभावकारी होती है। फिर जो लोग मन, कर्म और वचन से सच्चे नहीं होते, उनके भाषणों, उपदेशों, शब्दों या बातों का कोई प्रभाव नहीं होता। जो लोग सत्याश्रयी हैं उनकी वाणी में ब्रह्मास्त्र की शक्ति होती है। इसलिए ऐसे लोग चन्द शब्द ही कहते हैं और इसका अतुलनीय प्रभाव सामने आता है। इनकी वाणी में न केवल दम होता है बल्कि इनके द्वारा कहे गए शब्द दिमाग और दिल में कई दिनों तक गूंजते रहकर जबर्दस्त प्रभाव छोड़ते हैं। आज हमारे जीवन में पग-पग पर असफलताएं दिखती हैं, हमारे ईच्छित काम नहीं होते, हमारी कही हुई बातें झूठ साबित होती हैं, हमारे आशीर्वाद और शुभकामनाएं कहीं कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाते, हमारे द्वारा दी जाने वाली संवेदनाएं और श्रद्धान्जलियों का कोई प्रभाव दिवंगत आत्मा की मुक्ति में कहीं कोई सहयोग नहीं कर पाते। सब कुछ केवल औपचारिकताओं का झूठा और दिखाऊ नग्न नृत्य होकर रह गया है। हम आजकल जो कुछ कर रहे हैं वह केवल दिखावे के लिए ही, और वह भी इसलिए कि हमारी छवि लोकप्रिय और सकारात्मक बनी रहे, लोग हमसे खुश रहें और वक्त जरूरत हमारे काम आते रहें। हमारी पूरी जिन्दगी की बुनियाद ही वाणी की सच्चाई पर टिकी है और यह नींव तभी तक मजबूत रहती है जब तक जीवन में सत्य का आश्रय रहे अन्यथा केवल टाईमपास जिन्दगी के सिवा ये दुनिया-जहाँ हमारे लिए कुछ नहीं। जैसे आए थे वैसे ही जाना है, यही सत्य है। जीवन भर भले ही सत्य से दूर रहे हों, पर अन्तत: राम नाम सत्य होना ही है और इसे भी हम स्वयं सुन नहीं पाते। वे ही बोलते-सुनते हैं जो हमें मरघट तक ले जाते हैं। यह सोचकर कि अंतिम मौका है, निभा लें। फिर तो भूल जाना है, हमेशा-हमेशा के लिए भुला देना है। जो व्यक्ति जितना अधिक निर्मल चित्त और स्पष्ट वक्ता होता है, उसकी वाणी उतनी ही अधिक मुखर और मधुर होगी। व्यक्तित्व का सबसे पहले प्रभाव मुख और वाणी से ही पहचाना जा सकता है। किसी भी व्यक्ति की बोली से पहचान हो सकती है कि कौन कितना निम्न और हल्का है अथवा कौन कितना शालीन और भारी व्यक्तित्व का है। अनावश्यक जोर-जोर से बोलने वाले लोगों की बुद्धि व स्मरण शक्ति कमजोर रहती है और उनकी मृत्यु दूसरों की अपेक्षा जल्दी होती है। अपने आपको जानें, आस-पास वालों को जानें तथा मूल्यांकन करें कि हम और हमारे लोगों को सुधरना है या फिर यों ही मृत्यु आने तक टाईमपास विफल जिन्दगी का ही वरण करते हुए बिना किसी भूमिका या उपलब्धि के इस कहावत को सार्थक करना - लौट के बुद्धू घर को आए।

पॉलिसी बाजार की मूल कंपनी को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी मिली

नयी दिल्ली (एजेंसी),

पीबी फिनटेक लि. को पूंजी बाजार नियामक सेबी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 6,017.50 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मिल गयी है। कंपनी ऑनलाइन बीमा मंच पॉलिसी बाजार और कर्ज से जुड़ी तुलनात्मक जानकारी देने वाला पोर्टल पैसाबाजार चलाती है।विवरण पुस्तिका के अनुसार आईपीओ के तहत कंपनी 3,750 करोड़ रुपये रुपये मूल्य के नये इक्विटी जारी करेगी जबकि मौजूदा शेयरधारक 2,267.50 करोड़ रुपये के शेयर बिक्री के लिये रखेंगे। बिक्री पेशकश (ओएफएस) के तहत एसवीएफ पाइथन दो (केमैन) 1,875 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचेगी जबकि याशीष दहिया 250 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचेंगे। कुछ अन्य शेयरधारक भी शेयर बिक्री के लिये पेश करेंगे। पीबी फिनटेक ने कहा कि उसने अगस्त में सेबी के पास आईपीओ के लिये दस्तावेज जमा किये थे। उसे भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गयी है। दस्तावेजों के मसौदे के अनुसार कंपनी आईपीओ से पहले निजी नियोजन आधार पर करीब 750 करोड़ रुपये जुटा सकती है। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कारोबार बढ़ाने में करेगी। कंपनी 'ऑफलाइन' मौजूदगी पर भी गौर करेगी।

इंडिगो ने लोगों को नौकरियों की जाली पेशकश को लेकर आगाह किया

नयी दिल्ली, इंडिगो ने लोगों को कंपनी के नाम पर नौकरियों की फर्जी पेशकश करने वालों से सतर्क किया है। एयरलाइन ने मंगलवार को कहा कि उसके कर्मचारियों के नाम पर कुछ लोग साक्षात्कार, नौकरी या प्रशिक्षण दिलाने के लिए पैसा मांग रहे हैं। एयरलाइन ने बयान में कहा, ''हम साक्षात्कार, नौकरी या नौकरी से जुड़ने के बाद प्रशिक्षण के लिए कोई पैसा नहीं लेते।'' इंडिगो ने लोगों से कहा है कि यदि कोई उसके नाम पर उनसे पैसे की मांग करता है, तो इस मामले की जानकारी पुलिस को दी जाए। बयान में कहा गया है, ''इंडिगो खुद इस बारे में उचित कदम उठा रही है। साथ ही वह इसके बारे में लोगों को जागरूक भी कर रही है।'' एयरलाइन ने कहा कि वह लोगों को इस बारे में जागरूक करने को सोशल मीडिया पर अभियान भी चला रही है। इसमें बताया जा रहा है कि कैसे कुछ लोग इंडिगो का कर्मचारी बनकर नौकरियों की पेशकश कर रहे हैं और पैसा मांग रहे हैं।

गूगल की ऐप प्राइवेसी ब्रीफिंग्स फरवरी 2022 से प्ले स्टोर पर होगी लाइव

सैन फ्रांसिस्को।

टेक दिग्गज गूगल प्ले स्टोर ऐप्स के लिए अपना नया डेटा प्राइवेसी सेक्शन लॉन्च करने के करीब एक कदम आगे है। द वर्ज के अनुसार, ऐप डेवलपर अब गूगल के नए डेटा सुरक्षा फॉर्म के माध्यम से प्रासंगिक विवरण भर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि आवश्यक जानकारी फरवरी 2022 से उपयोगकर्ताओं को दिखाई देगी और डेवलपर्स के लिए उसी वर्ष अप्रैल तक जमा करना अनिवार्य होगा। पिछले दिसंबर में ऐप स्टोर में ऐप के लिए समान गोपनीयता और डेटा अस्वीकरण दिखाना शुरू करने के बाद, मई में इस नई सुविधा की घोषणा की गई थी। डेटा अनुभाग उपभोक्ताओं को एक त्वरित और सरल अवलोकन प्रदान करने वाला है कि ऐप्स उनकी जानकारी के साथ क्या कर रहे हैं। डेवलपर्स को उपयोगकर्ताओं को ये बताने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा- उनका ऐप किस प्रकार का डेटा एकत्र करता है, जिसमें स्थान, संपर्क, व्यक्तिगत जानकारी (जैसे, नाम, ईमेल पता), वित्तीय जानकारी, और बहुत कुछ शामिल है। क्या यह डेटा वैकल्पिक है या इसके लिए आवश्यक है ऐप का उपयोग करें, ऐप ट्रांज़िट में डेटा को एन्क्रिप्ट करता है या नहीं, यदि ऐप की स्वतंत्र रूप से वैश्विक सुरक्षा मानक के अनुरूप समीक्षा की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डेवलपर्स अब गूगल प्ले कंसोल के माध्यम से इस जानकारी को दर्ज कर सकते हैं और गूगल ने इस नई आवश्यकता को नेविगेट करने में मदद करने के लिए डेवलपर्स के लिए गाइड जोड़े हैं।

जिंसों की बढ़ती कीमतों से 2021-22 में चालू खाते का घाटा 1.3प्रतिशत पर पहुंचेगा

मुंबई :

कच्चे तेल, कोयले और धातुओं की अगुवाई में जिंसों की बढ़ती कीमतों से चालू वित्त वर्ष 2021-22 में चालू खाते का घाटा (कैड) सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.3 प्रतिशत या 40 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। बीते वित्त वर्ष में 0.9 प्रतिशत का चालू खाते का अधिशेष रहा था। एक ब्रोकरेज कंपनी की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। वॉल स्ट्रीट की प्रमुख कंपनी बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज (बोफा) की रिपोर्ट में कहा गया है कि भुगतान संतुलन (बीओपी) की स्थिति काफी मजबूत है और इससे अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा प्रोत्साहनों में कमी से रुपए और बांड प्रतिफल पर पड़ने वाले किसी भी तरह के प्रभाव से निपटा जा सकता है। बोफा की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर जिंसों के दाम काफी बढ़े हैं। विशेषरूप से कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इससे चालू खाते के घाटे और उसके निपटान को लेकर चिंता पैदा हुई है। फेडरल रिजर्व द्वारा प्रोत्साहनों में किसी तरह की संभावित कटौती से इसको लेकर आशंका और बढ़ेगी। उसने कहा,''हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में कैड सकल घरेलू उत्पाद का 1.3 प्रतिशत या 40 अरब डॉलर रहेगा। पिछले वित्त वर्ष में 0.9 प्रतिशत का चालू खाते का अधिशेष था। यदि इसे जीडीपी के 2.5 प्रतिशत तक सीमित किया जाता है, तो यह काफी अच्छी स्थिति होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि वहीं दूसरी ओर पूंजी खाते का अधिशेष वित्त वर्ष के दौरान बढ़ सकता है। हालांकि, विदेशी प्रवाह कम हुआ है लेकिन प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सतत बना हुआ है। जून, 2021 में समाप्त तिमाही में चालू खाते का शेष आश्चर्यजनक रूप से उम्मीद से अधिक रहा था। यह अधिशेष 6.5 अरब डॉलर या जीडीपी का 0.9 प्रतिशत रहा था। इसकी प्रमुख वजह व्यापार घाटा कम होना है। इस दौरान पूंजी खाते का प्रवाह भी 25.8 अरब डॉलर रहा। इसी के अनुरूप पहली तिमाही में भुगतान संतुलन अधिशेष बढ़कर 31.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मार्च, 2021 में समाप्त तिमाही में यह अधिशेष 3.4 अरब डॉलर रहा था।

कोयला, रेल, बिजली मंत्रियों ने विद्युत संयंत्रों में कोयला आपूर्ति की स्थिति पर चर्चा की

नयी दिल्ली (एजेंसी),

कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा बिजली मंत्री आर के सिंह के साथ ताप बिजलीघरों में ईंधन भंडार में सुधार के उपायों पर चर्चा की।यह बैठक ताप बिजलीघरों में कोयले की कमी के बीच हुई है। जोशी ने ट्विटर पर लिखा, ''मंत्री अश्विनी वैष्णव जी और राज कुमार सिंह जी के साथ ऑनलाइन बैठक हुई। बैठक में कोयला मंत्रालय के अधिकारी, कोयला कंपनियों के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक तथा अन्य अधिकारी शामिल हुए।''कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया की इकाई नार्दर्न कोलफील्ड्स लि. (एनसीएल) के प्रदर्शन की भी समीक्षा की तथा उत्पादन बढ़ाने एवं प्रतिदिन कम-से-कम 34 रैक कोयले की आपूर्ति करने को कहा।'' जोशी ने लिखा है, ''सीएमडी के साथ एनसीएल सिंगरौली के कामकाज की आज समीक्षा की। एनसीएल को उत्पादन बढ़ाने और कम-से-कम 34 रैक प्रतिदिन लदान का निर्देश दिया। इसके बाद एनसीएल के कोयला खदानों का दौरा करूंगा और कर्मचारियों से बातचीत कर उन्हें कोयला उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने के लिये प्रेरित करूंगा।''

भारत में डेटा विज्ञान प्रतिभा को काम पर रखने में भारी आपूर्ति का अंतर : अध्ययन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जब प्रतिभा की बात आती है तो डेटा साइंस उद्योग में आपूर्ति में भारी अंतर देखा जा रहा है, जिसमें 92 प्रतिशत हायरिंग मैनेजर्स को कमी का सामना करना पड़ा है। हायरिंग ट्रेंड पर एक अध्ययन में इसकी जानकारी मिली है। ग्रेट लर्निंग द्वारा किया गया अध्ययन एडटेक कंपनी के डेटा साइंस स्पेस में हायरिंग ट्रेंड, डेटा साइंस प्रोफेशनल्स की बढ़ती मांग और इंडस्ट्री में स्किल गैप पर स्पॉटलाइट डालता है। प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) के क्षेत्र में सबसे बड़ी कौशल कमी की पहचान 15 प्रतिशत हायरिंग मैनेजरों द्वारा की गई, इसके बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (12 प्रतिशत), ऑटोमेशन (11 प्रतिशत), कंप्यूटर विजन (10 प्रतिशत), एनालिटिक्स (9 प्रतिशत) और मशीन लर्निंग (7 प्रतिशत) का स्थान रहा। सर्वेक्षण किए गए हायरिंग मैनेजरों में से आधे से कुछ अधिक ने बी2बी उद्यमों का प्रतिनिधित्व किया, लगभग एक-चौथाई ने बी2सी कंपनियों का प्रतिनिधित्व किया और बाकी में सरकार और अन्य शामिल थे। बीएफएसआई जैसे उद्योग क्षेत्रों में आईटी/आईटीईएस, खुदरा, ई-कॉमर्स, दूरसंचार, इंजीनियरिंग और विनिर्माण के बाद सबसे अधिक प्रतिनिधित्व (21 प्रतिशत) था। लगभग 57 प्रतिशत का मानना था कि आपूर्ति और मांग के बीच का अंतर प्रवेश स्तर/नए स्तर पर मौजूद है, जबकि 27 प्रतिशत काम पर रखने वाले प्रबंधकों का मानना है कि टीम के नेतृत्व और परियोजना प्रबंधन की मध्य-स्तर की भूमिकाओं में

प्रतिभा का अंतर मौजूद है, जो आवश्यकता को उजागर करता है। अध्ययन में यह भी पाया गया है कि डेटा साइंस डोमेन में लिंग समानता की कमी एक मुद्दा है, जैसे यह व्यापक तकनीकी डोमेन के साथ है। बेंगलुरू (54 प्रतिशत) एक बार फिर डेटा साइंस में प्रतिभा को काम पर रखने के लिए अग्रणी शहर के रूप में उभरा है, इसके बाद हैदराबाद 15 प्रतिशत है। दिल्ली एनसीआर और पुणे के बीपीओ और केपीओ हब को क्रमशः 9 प्रतिशत और 6 प्रतिशत, मुंबई और चेन्नई को प्राथमिकता दी गई, जिन्हें 5 प्रतिशत ने प्राथमिकता दी। ग्रेट लर्निंग के सह-संस्थापक हरि कृष्णन नायर ने एक बयान में कहा, इस अध्ययन का उद्देश्य डेटा साइंस स्पेस में प्रमुख रुझानों को प्रकाश में लाना था, जो उभरते पेशेवरों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने करियर पथ की योजना बनाने में मदद कर सकते हैं और अंतर्निहित प्रतिभा अंतर को दूर करने के लिए संगठनों द्वारा उठाए गए कदमों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हर उद्योग डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, एनएलपी, एआईएमएल, बिग डेटा और ऑटोमेशन जैसे डेटा साइंस फंक्शंस की मांग अब तक के उच्चतम स्तर पर है। समय की आवश्यकता हमारे शिक्षा मानकों को बढ़ाने और हमारे कर्मचारियों को बढ़ाने की है।

सरकार का सीनियर सिटीजन को तोहफा! अब 3 साल तक और बढ़ा सकते हैं अपने निवेश की अवधि

(एजेंसी) :

वरिष्ठ नागरिकों के लिए खुशखबरी है। अब सीनियर सिटीजन को कभी पैसे की दिक्कत नहीं होगी। सरकार सीनियर सिटीजन को एक मौका दे रही है जहां वे अपना पैसा 5 साल से अधिक के लिए निवेश कर सकते हैं जिसमें वरिष्ठ नागरिकों को सारी जानकारी इंडिया पोस्ट के पोर्टल पर उपलब्ध है और देश के हर डाक घर पर भी आप पूरी जानकारी जुटा सकते हैं।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए शानदार मौका

सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम (स्ष्टस्स्) की अवधि 5 वर्ष की है। अगर कोई भी वरिष्ठ नागरिक को इसकी अवधि बढ़ाना चाहते है वो एक लिखित में आवेदन दे सकते है और इसकी बचत की अवधि को अगले 3 साल के लिए बढ़ा सकते है। पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटीजन्स सेविंग्स स्कीम में निवेशकों को 7.4 फीसदी की दर से ब्याज मिलता है। सिर्फ 5 वर्षों में यह पैसा 14 लाख तक पहुंच सकता है। सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में खाता खुलवाने के लिए उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक होना चाहिए।

इस राशि से खुलवा सकते हैं खाता

इस स्कीम में खाता खुलवाने के लिए न्यूनतम राशि 1000 रुपए है। इसके साथ ही खाते में आप 15 लाख रुपए से अधिक पैसा नहीं रख सकते हैं। एक लाख रुपए से कम रकम होने पर आप नकद पैसे देकर भी खाता खुलवा सकते हैं। वहीं, एक लाख रुपए से ज्यादा पर खाता खुलवाने के लिए आपको चेक देना होगा।

मैच्योरिटी पीरियड है 5 साल का

SCSS का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का है। लेकिन यदि निवेशक चाहे तो इस समय सीमा को बढ़ाया भी जा सकता है। इंडिया पोस्ट वेबसाइट के मुताबिक, आप मैच्योरिटी के बाद इस स्कीम को 3 साल के लिए बढ़ा सकते हैं। इसके लिए आपको पोस्ट ऑफिस में जाकर आवेदन करना होगा।

खुलवा सकते हैं जॉइंट अकाउंट

स्ष्टस्स् के तहत व्यक्तिगत तौर पर या अपनी पत्नी/पति के साथ जॉइंट अकाउंट भी खुलाया जा सकता है। लेकिन सभी को मिलाकर मैक्सिमम इन्वेस्टमेंट लिमिट 15 लाख से ज्यादा नहीं हो सकती। खाता खोलते और बंद कराते समय नॉमिनेशन फैसिलिटी उपलब्ध है।

प्रीमैच्योर क्लोजिंग

SCSS के तहत प्रीमैच्योर क्लोजर की अनुमति है, लेकिन खाता खुलवाने के 1 साल बाद इसे बंद करने पर डिपॉजिट का 1.5 फीसदी काटा जाएगा, वहीं 2 साल बाद बंद करने पर डिपॉजिट का 1 फीसदी काटा जाएगा।

टैक्स में मिलती है छूट

टैक्स की बात करें, तो यदि **SCSS** के तहत आपकी ब्याज राशि 10,000 रुपए सालाना से ज्यादा हो जाती है, तो आपका

TDS कटने लगता है। हालांकि इस स्कीम में इन्वेस्टमेंट पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत छूट है। आपको बता दें कि देश में पहली बार वरिष्ठ नागरिकों के लिए इस तरह कि स्कीम सीनियर सिटीजन के लिए इंडिया पोस्ट लेकर आया है। इसके अलावा हाल ही में वरिष्ठ नागरिकों के लिए इंडिया पोस्ट ने रोजगार एक्सचेंज भी लांच किया। जिसमें वरिष्ठ नागरिकों को उनके हिसाब की नए सिरे से नौकरी दी जाएगी और 1 अक्टूबर से यह एक्सचेंज शुरू हुआ है।

बैंकिंग सेक्टर के बैड लोन्स में 9प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान: क्रिसिल

मुंबई (एजेंसी) :

बैंकों की गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) यानी फंसा कर्ज चालू वित्त वर्ष में बढ़कर 8 से 9 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी क्रिसिल ने यह कहा। अगर ऐसा होता है, तो यह वित्त वर्ष 2017-18 के अंत के 11.2 प्रतिशत के आंकड़े से काफी कम होगा। एजेंसी के अनुसार कर्ज पुनर्गठन और आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) जैसे कोविड-19 राहत उपायों से बैंकों के सकल एनपीए को सीमित रखने में मदद मिलेगी। उसने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 के अंत तक करीब दो प्रतिशत बैंक ऋण के पुनर्गठन की संभावना है। ऐसे में सकल एनपीए और पुनर्गठन के अंतर्गत आने वाला कर्ज समेत दबाव वाली संपत्ति 10-11 प्रतिशत पहुंच जाने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी के वरिष्ठ निदेशक और उप मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन सीतारमण ने रिपोर्ट में कहा, ''खुदरा और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) खंडों का कुल कर्ज में योगदान करीब 40 प्रतिशत है। इस बार इन क्षेत्रों में एनपीए और दबाव वाली संपत्तियां बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि इन दोनों खंडों में दबाव वाली संपत्तियां चालू वित्त वर्ष के अंत तक बढ़कर क्रमशः 4-5 प्रतिशत और 17-18 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। क्रिसिल ने कहा कि राष्ट्रीय संपत्ति पुनर्गठन कंपनी लि. (एनएआरसीएल) के चालू वित्त वर्ष के अंत तक परिचालन में आने के साथ पहले दौर में 90,000 करोड़ रुपए के एनपीए की बिक्री की उम्मीद है। इससे सकल एनपीए की सूचना में कमी देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, कॉरपोरेट क्षेत्र अधिक मजबूत बना हुआ है। पांच साल पहले संपत्ति गुणवत्ता समीक्षा के दौरान कंपनियों में ज्यादातर दबाव वाली संपत्तियों की पहचान पहले ही हो चुकी है। इसमें कहा गया है, इससे कंपनियों के बही-खाते मजबूत हुए और वे खुदरा तथा एमएसएमई के मुकाबले बेहतर तरीके से महामारी की चुनातियों से निपटने में सक्षम रहे। यही कारण है कि इस खंड में केवल लगभग एक प्रतिशत कर्ज का ही पुनर्गठन हुआ है। इससे कॉरपोरेट क्षेत्र में दबाव वाली संपत्ति चालू वित्त वर्ष में 9 से 10 प्रतिशत के दायरे में रहने की संभावना है।

एप्पल ने एप्पल म्यूजिक के लिए सस्ते वॉयस प्लान की घोषणा की

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एप्पल ने एप्पल म्यूजिक वॉयस प्लान के लिए प्रति माह 49 रुपये की घोषणा की है, जो सिरी की शक्ति के आसपास डिजाइन किए गए एप्पल म्यूज़िक के लिए एक नया सब्सक्रिप्शन टियर है। ऐप्पल म्यूज़िक वॉयस प्लान ग्राहकों की सेवा के 90 मिलियन गानों और दसियों हजार प्लेलिस्ट के कैटलॉग तक पहुंच प्रदान करता है। यह योजना इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग, भारत, आयरलैंड, इटली, जापान, मैक्सिको, न्यूजीलैंड, स्पेन, ताइवान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित 17 देशों और क्षेत्रों में उपलब्ध होगी। एप्पल म्यूजिक एंड बीट्स के ऐप्पल के उपाध्यक्ष ओलिवर शूसर ने एक बयान में कहा, एप्पल म्यूजिक और सिरी स्वाभाविक साझेदार हैं और पहले से ही एक साथ काम करते हैं। दुनिया भर में करोड़ों उपकरणों पर सक्रिय रूप से सिरी का उपयोग करने के साथ, हम इस नई योजना को जोड़ने के लिए रोमांचित हैं जो केवल आपकी आवाज का उपयोग करके एक सहज संगीत अनुभव प्रदान करता है और एप्पल म्यूजिक को सुलभ बनाता है। यूजर्स अरे सिरी, मेरा एप्पल म्यूज़िक वॉयस ट्रायल शुरू करें कहकर या ऐप्पल म्यूज़िक ऐप के माध्यम से साइन अप करके सिरी के माध्यम से एप्पल म्यूज़िक वॉयस प्लान की सदस्यता ले सकते हैं। एक बार एप्पल म्यूज़िक वॉयस प्लान की सदस्यता लेने के बाद, उपयोगकर्ता अपने सभी सिरी-सक्षम डिवाइसों में संगीत चलाने का अनुरोध कर सकते हैं, जिसमें होमपॉड मिनी, एयरपॉड्स, आईफोन और कारप्ले का उपयोग करते समय या कोई अन्य एप्पल डिवाइस शामिल है। एप्पल, एप्पल म्यूजिक के संपादकीय विशेषज्ञों द्वारा बनाई गई सैकड़ों नई मनोदशा और गतिविधि प्लेलिस्ट जोड़ रहा है जो केवल आवाज के लिए पूरी तरह से अनुकूलित हैं।

ये नई प्लेलिस्ट किसी भी एप्पल म्यूज़िक प्लान के प्रत्येक सब्सक्राइबर के लिए उपलब्ध हैं और सिरी के साथ एप्पल म्यूज़िक के उपयोग को और भी बेहतर बनाते हैं।

मूडीज ने बैंकिंग प्रणाली के परिदृश्य को ''नकारात्मक'' से ''स्थिर'' किया

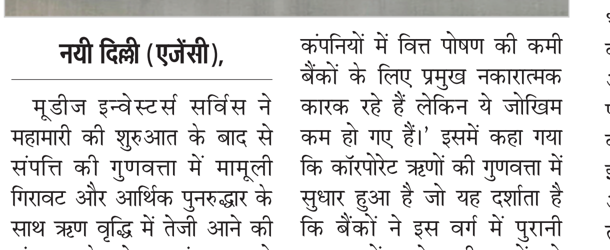

नयी दिल्ली (एजेंसी),

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने महामारी की शुरुआत के बाद से संपत्ति की गुणवत्ता में मामूली गिरावट और आर्थिक पुनरुद्धार के साथ ऋण वृद्धि में तेजी आने की संभावना के मद्देनजर मंगलवार को भारतीय बैंकिंग प्रणाली के लिए परिदृश्य को 'नकारात्मक' से 'स्थिर' कर दिया। मूडीज को उम्मीद है कि अगले 12-18 महीनों में भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार जारी रहेगा और मार्च, 2022 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 9.3 प्रतिशत और उसके अगले वर्ष 7.9 प्रतिशत की वृद्धि होगी। मूडीज ने अपनी 'बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य - भारत' रिपोर्ट में कहा, 'आर्थिक गतिविधियों में तेजी से ऋण वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। यह वृद्धि हमें सालाना 10-13 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। कमजोर कॉरपोरेट वित्तीय स्थिति और वित्तीय कंपनियों में वित्त पोषण की कमी बैंकों के लिए प्रमुख नकारात्मक कारक रहे हैं लेकिन ये जोखिम कम हो गए हैं।' इसमें कहा गया कि कॉरपोरेट ऋणों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है जो यह दर्शाता है कि बैंकों ने इस वर्ग में पुरानी समस्याओं वाले सभी ऋणों को मान्यता दी है और उन्हें लेकर प्रावधान किया है।रिपोर्ट के मुताबिक, खुदरा ऋणों की गुणवत्ता में गिरावट आयी है, लेकिन यह एक सीमा तक हुआ है क्योंकि व्यापक रूप से नौकरियां छूटने की समस्या नहीं देखी गयी है।मूडीज ने कहा, 'हमने भारतीय बैंकिंग प्रणाली के लिए दृष्टिकोण में बदलाव करते हुए उसे नकारात्मक से स्थिर कर दिया है। महामारी का प्रकोप शुरू होने के बाद से संपत्ति की गुणवत्ता में मामूली गिरावट आयी है और संचालन के सुधरते माहौल से संपत्ति गुणवत्ता में मदद मिलेगी। संपत्ति गुणवत्ता में सुधार से ऋण की लागत में कमी के साथ लाभप्रदता में सुधार होगा।'

प्रॉक्टर एंड गैंबल ने की 500 करोड़ रुपये के पीएंडजी रूरल ग्रोथ फंड की घोषणा

मुंबई।

प्रॉक्टर एंड गैंबल (पीएंडजी) इंडिया ने भारतीय ग्रामीण बाजार में समावेशी विकास में तेजी लाने के लिए 500 करोड़ रुपये के पी एंड जी रूरल ग्रोथ फंड की घोषणा की है। यह फंड कंपनी के बाहरी भागीदारों को ग्रामीण उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुकूलित व्यावसायिक समाधानों पर पी एंड जी के साथ सहयोग करने का अवसर प्रदान करेगा। इसमें संचार, मीडिया आउटरीच और गो-टु-मार्केट समाधान जैसे तकनीक-सक्षम बिक्री, बढ़ते वितरण और अंतिम-मील वितरण शामिल होंगे। एफएमसीजी उद्योग के विकास में ग्रामीण बाजार का महत्वपूर्ण योगदान है। ग्रामीण बाजार के अवसर अद्वितीय हैं और ऐसे समाधान की आवश्यकता है जो ग्रामीण उपभोक्ता की जरूरतों और उपभोक्ता की आदतों को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हों। यह नया फंड पी एंड जी इंडिया के वीग्रो प्रोग्राम का एक हिस्सा है, जो स्टार्ट-अप्स, छोटे व्यवसायों, व्यक्तियों और बड़े संगठनों की पहचान करने और उनके साथ सहयोग करने पर केंद्रित है, जो उद्योग-अग्रणी व्यापार समाधान पेश करते हैं। पी एंड जी भारतीय उपमहाद्वीप के सीईओ मधुसूदन गोपालन ने कहा, ग्रामीण भारत की महामारी से उबरने के लिए भारत की राह में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। हमने पहले ही ग्रामीण खंड को पिछले कुछ महीनों के दौरान एक लचीला प्रदर्शन करते देखा है और यह जारी रहेगा। पी एंड जी के लिए, ग्रामीण बाजार में हमारे विकास को तेज करना एक रणनीतिक प्राथमिकता है। इसके साथ, हमने बाहरी भागीदारों के साथ सहयोग करने के लिए पी एंड जी के ग्रामीण विकास कोष की स्थापना की, जो ग्रामीण डीएनए को समझते हैं और हमें अपने बेहतर उत्पाद, संचार, हमारे ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए खुदरा निष्पादन और मूल्य देते हैं। हम तकनीक-सक्षम समाधानों और इन्वेंट्री और स्टोर प्रबंधन पर सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ ग्रामीण किरानाओं को सशक्त बनाने में भी निवेश करना चाहते हैं जो उन्हें अपने व्यवसाय को और अधिक बनाने में मदद करेंगे। हमें विश्वास है कि इन साझेदारी के माध्यम से हम समावेशी विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान करने में सक्षम होंगे। पी एंड जी ने चार साल पहले भारत भर में बाहरी भागीदारों और आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक सक्रिय सहयोग मंच बनाने की दृष्टि से अपना वीग्रो कार्यक्रम शुरू किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्व कप 2021 प्रैक्टिस मैचः भारत ने इंग्लैंड को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व कप 2021 से पहले टीम इंडिया ने अपना पहला प्रैक्टिस मैच खेला. टीम इंडिया ने अपने अभियान का शानदार आगाज किया है. भारत ने इंग्लैंड को सात विकेट से हरा दिया है. अभी भारत के पास एक और मैच है, जब 20 अक्टूबर को भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा. मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया. इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए, लेकिन टीम इंडिया ने तीन विकेट के नुकसान पर एक ओवर शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया.

इंग्लैंड की ओर से केवल जॉनी बेयरस्टो ने सबसे ज्यादा 49 रन की पारी खेली. इसके बाद 43 रन की पारी मोइन अली ने खेली. बाकी कोई बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना सका. टीम इंडिया की ओर से मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए. वहीं राहुल चाहर और जसप्रीत बुमराह ने एक एक विकेट अपने नाम किया. मैच में सबसे ज्यादा पिटाई भुवनेश्वर कुमार की हुई, जिन्होंने चार ओवर में 54 रन दिए और एक भी विकेट उनके नाम नहीं हुआ. रविचंद्रन अश्विन को भी एक भी विकेट नहीं मिला.

भारत की ओर से केएल राहुल और इशान किशन ओपनिंग के लिए उतरे. दोनों ने टीम को अच्छी शुरुआत दी. राहुल ने 51 रन की शानदार पारी खेली. वहीं ईशान किशन ने 70 रन बनाए और रिटायर होकर गए. इस बीच विराट कोहली का बल्ला नहीं चला. वे केवल 11 रन बनाकर आउट हो गए. रिषभ पंत ने 14 गेंद पर 29 रन बनाए. सूर्य कुमार यादव आठ रन बनाकर आउट हो गए, वे भी नहीं चले. हालांकि हार्दिक पांड्या ने दस गेंद पर 12 रन बनाए. टीम ने इंडिया ने 19 ओवर में 192 रन बनाए और टीम को जीत दिला दी.

आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल बोले, डेविड वार्नर की क्षमता पर संदेह करना कतई उचित नहीं

अबुधाबी।(एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि डेविड वार्नर की क्षमता पर संदेह करना कतई उचित नहीं है और उन्हें विश्वास है कि यह स्टार सलामी बल्लेबाज टी20 विश्व कप के दौरान फॉर्म में वापसी करने में सफल रहेगा। वार्नर अभी बेहद खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। मई में उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें कप्तानी से हटा दिया था जबकि यूएई में दूसरे चरण में उन्हें अंतिम एकादश में भी जगह नहीं मिली थी। यूएई में उन्होंने सनराइजर्स के लिये जो दो मैच खेले उनमें शून्य और दो रन बनाये। आस्ट्रेलिया के न्यूजीलैंड के खिलाफ सोमवार को पहले अभ्यास मैच में वह पहली गेंद पर आउट हो गये थे।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार मैक्सवेल ने कहा, ''यदि आप डेवी (वार्नर) की क्षमता पर संदेह करते हैं तो यह कतई सही नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''वह जल्द ही फॉर्म में वापसी करेगा। वह तीनों प्रारूपों का सुपरस्टार है। उसने ढेर सारे रन बनाये है। उसकी गणना खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में होगी।'' वार्नर ने पिछले एक साल में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है लेकिन उन्हें अपने साथियों का समर्थन हासिल है जिनमें सीमित ओवरों की टीम के कप्तान आरोन फिंच भी शामिल हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में वार्नर के आउट होने के बारे में मैक्सवेल ने कहा, ''दुर्भाग्य से मार्टिन गुप्टिल ने उसका शानदार कैच लिया। लगता है कि गुप्टिल हमारे खिलाफ ही ऐसा क्षेत्ररक्षण करता है।''

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की तरफ से शानदार प्रदर्शन करने वाले मैक्सवेल का मानना है कि साथी आलराउंडर मिशेल मार्श टूर्नामेंट में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मिशेल मार्श के लिये यह बहुत बड़ा टूर्नामेंट होगा। मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी किसी को उसकी तरह गेंद को हिट करते हुए देखा है।

पाक के पूर्व क्रिकेटर का बयान, कहा- दबाव में है भारत इसलिए धोनी को बनाया मेंटॉर

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप में भारत-पाकिस्तान मैच से पहले पूर्व पाक क्रिकेटर तनवीर अहमद ने अजीबोगरीब बयान दिया है। तनवीर अहमद का कहना है कि इस वक्त भारत काफी दबाव महसूस कर रहा है और यही कारण है कि महेंद्र सिंह धोनी को उसने बतौर मेंटर टीम के साथ जोड़ा है। तनवीर अहमद का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबले में कुछ दिन ही शेष है। एक प्रोग्राम में तनवीर अहमद ने कहा कि कागज पर तो टीम इंडिया काफी मजबूत नजर आती है लेकिन कहीं ना कहीं उन पर काफी दबाव है।

तनवीर अहमद ने कहा कि दुनिया भर में भारत ने जैसा क्रिकेट खेला है, वह काफी शानदार रहा है। लेकिन अगर हाल के परफॉर्मेंस की बात करें तो उन पर ज्यादा प्रेशर है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विराट कोहली इस वक्त काफी दबाव में है इसीलिए उन्होंने टी20 की कप्तानी भी छोड़ दी है। उन्होंने कहा कि दबाव की वजह से ही टीम इंडिया को महेंद्र सिंह धोनी को बतौर मेंटर अपने साथ जोड़ना पड़ा। इसके साथ थी उन्होंने कहा कि आईपीएल में जो टीम इंडिया के फिलहाल सदस्य हैं उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है इसलिए और भी दबाव है।

भारत-पाक मैच

आईसीसी टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान ग्रुप दो में हैं। दोनों टीमों के बीच महा मुकाबला 24 अक्टूबर को दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। इस मैच का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। हालांकि अब तक के इतिहास को देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड कप के दौरान जितने भी मैच हुए हैं उसमें भारत का दबदबा रहा है और भारत ने सभी मुकाबले जीते हैं। 2007 में भारत पाकिस्तान को हराकर ही ञ20 वर्ल्ड कप का फाइनल जीता था।

ताबड़तोड़ रन बनाकर विराट का विकेट लेने वाला इंग्लैंड का यह ऑलराउंडर हुआ चोटिल, नहीं खेल पाएगा पहला मैच

दुबई (एजेंसी)।

दुबई में भारत के ख़िलाफ़ खेले गए अभ्यास मुक़ाबले के दौरान लियम लिविंगस्टन की उंगली में चोट लग गई। इसके बाद टी20 विश्व कप में शनिवार को वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ खेले जाने वाले पहले मुक़ाबले में वह शामिल होंगे या नहीं इस बात पर अभी संदेह है।

सैम बिलिंग्स ने की फ़ील्डिंग

भारत के ख़िलाफ़ इंग्लैंड की सात विकेट की हार के दौरान डीप मिड विकेट पर एक कैच लेने के प्रयास में लिविंगस्टन घायल हो गए थे। दुबई में जिस प्रकार की फ़्लड लाइट का प्रयोग किया गया था, वह अन्य अंतर्राष्ट्रीय मैचों में प्रयोग किए जाने वाले लाइट से थोड़ी अलग थी और इसमें रोशनी थोड़ी कम थी। शायद इसी कारणवश लिविंगस्टन उस गेंद को सही तरीक़े से लपकने में क़ामयाब नहीं हो पाए। जैसे ही गेंद उनकी उंगली पर लगी वह दर्द से कराह उठे और उनके बाएं हाथ की छोटी उंगली पर सूजन दिखाई दे रही थी।

इस चोट के लगने के बाद मैच के ख़त्म होने तक सैम बिलिंग्स ने उनकी जगह पर फ़ील्डिंग की। इंग्लैंड टीम के एक प्रवक्ता ने कहा कि सूजन कम होने के बाद अगले 24 घंटों में चोट का आकलन किया जाएगा। उसके बाद ही वह किसी निष्कर्ष पर पहुंच पाएंगे।

20 गेंदो में 30 रन बनाए और विराट का लिया विकेट

घायल होने से पहले लिविंगस्टन ने वॉर्म अप मैच में 2 ओवर गेंदबाज़ी की और 10 रन देते हुए विराट कोहली का बहुमूल्य विकेट झटका। बल्ले के साथ उन्होंने 20 गेंदों में 4 चौकों और 1 छक्के की मदद से 30 रन बनाए। वह विश्व कप टीम में इंग्लैंड के तीन स्पिन विकल्पों में से एक हैं। इस मैच में उन्होंने आम तौर पर भारत के दाएं हाथ के बल्लेबाज़ों को लेग ब्रेक और बाएं हाथ के खिलाड़ियों को ऑफ़ ब्रेक गेंदबाज़ी की।

अगर लिविंगस्टन चोट के कारण पहले मैच से बाहर हो जाते हैं तो इंग्लैंड के लिए अपने एकादश का चुनाव करना थोड़ा आसान हो जाएगा। पहले अभ्यास मैच में इंग्लैंड ने इयान मोर्गन को आराम दिया था। जब मोर्गन टीम में आएंगे तो इंग्लैंड को लिविंगस्टन, डेविड मलान या मोईन अली में से एक खिलाड़ी को टीम से बाहर करना होगा। दूसरा विकल्प होगा एक तेज़ गेंदबाज़ को ड्रॉप किया जाएगा, जो एक कठिन फ़ैसला होगा।

लिविंगस्टन ने केवल आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं लेकिन अगर उनकी चोट गंभीर साबित होती है तो इंग्लैंड के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। उन्होंने इस साल श्रीलंका और पाकिस्तान के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़, द हंड्रेड और टी20 ब्लास्ट में 20 पारियों में 54.46 के औसत और 167.41 के स्ट्राइक रेट के साथ बल्लेबाज़ी की हैं। वह बेन स्टोक्स और सैम करन की ग़ैर मौजूदगी में इस टीम के एक महत्वपूर्ण हरफ़नमौला खिलाड़ी हैं।

गेंदबाजी में बुमराह से बड़ा एक्स फैक्टर कोई नहीं : इरफान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि टी20 विश्व कप में भारत की गेंदबाजी लाइन अप में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से बड़ा कोई एक्स फैक्टर नहीं है।

इरफान ने स्टार स्पोटर्स से कहा, गेंदबाजी में सिर्फ एक ही एक्स फैक्टर हैं और वह है बुमराह। किसी भी टीम में बुमराह से बड़ा कोई एक्स फैक्टर नहीं है। इरफान के इस बयान का पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर ने भी समर्थन किया और कहा, मान लीजिए कि लोकेश राहुल, रोहित शर्मा, विराट कोहली और वरुण चक्रवर्ती हैं लेकिन शायद एक एक्स फैक्टर, जो बुमराह होंगे। भारतीय टीम ने सोमवार को इंग्लैंड को टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच में सात विकेट से हराया। टीम इंडिया सुपर-12 में अपने अभियान की शुरूआत 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

बाबर और रिजवान को स्ट्राइक रेट सुधारने की जरुरत: इंजमाम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने कहा कि कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान लगातार अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन अगर टीम विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती है, तो इन्हें अपनी स्ट्राइक रेट सुधारने की जरुरत है। बाबर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वार्मअप मैच में 41 गेंदों में 50 रन बनाए जबकि रिजवान ने 13 गेंदों में 17 रन बनाए। इंजमाम ने मंगलवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, बाबर और रिजवान पिछले कुछ वर्षों से शनदार बल्लेबाजी कर रहे हैं पर मुझे लगता है कि उन्हें अपना स्ट्राइक रेट बढ़ाने की जरुरत है।उन्होंने कहा, पाकिस्तान की टीम बाबर और रिजवान पर ज्यादा निर्भर करती है अगर वे अच्छे सट्राइक रेट से रन नहीं बनाते हैं तो टीम मुश्किल में पड़ जाएगी। उन्हें पॉवरप्ले का फायदा उठाना चाहिए और तेजी से रन बनाने चाहिए। अब पाकिस्तान को दूसरा और अंतिम वार्मअप मैच 20 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अबु धाबी में खेलना है।

हरभजन और श्रीनाथ को मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब ने दी आजीवन सदस्यता

लंदन (एजेंसी)।

भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह और जवागल श्रीनाथ उन 18 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें मंगलवार को यहां मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब ने आजीवन सदस्यता दी।

हरभजन टेस्ट में भारत के तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, उन्होंने 103 टेस्ट में 417 विकेट लिए हैं। श्रीनाथ देश के सबसे महान एकदिवसीय खिलाड़ियों में से एक हैं, उन्होंने अपने करियर में 315 विकेट लिए और एकदिवसीय मैचों में भारत के दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

इंग्लैंड के क्रिकेटर एलिस्टेयर कुक, मार्कस ट्रेस्कोथिक, इयान बेल के साथ विकेटकीपर 32 वर्षीय सारा टेलर, को भी मंगलवार को आजीवन सदस्यता से सम्मानित किया गया।

चार दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटरों को भी आजीवन सदस्यता से सम्मानित किया गया है, जिसमें हाशिम अमला, हर्शल गिब्स, जैक्स कैलिस और मोर्ने मोर्कल का नाम शामिल है। कैलिस टेस्ट में तीसरे सर्वाधिक बल्लेबाज है उन्होंने 13,289 टेस्ट रन बनाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स ब्लैकवेल और डेमियन मार्टिन का भी नाम इस सूची में शामिल है। वेस्टइंडीज के इयान बिशप, शिवनारायण चंद्रपॉल और रामनरेश सरवन को भी यह सम्मान मिला।

बिशप ने केवल 43 मैचों में 161 विकेट लिए, जबकि चंद्रपॉल वेस्टइंडीज सर्वाधिक कैप्ड टेस्ट खिलाड़ी (164) हैं और 11,867 रन बनाए हैं। सरवन ने 15 टेस्ट शतक बनाए, और 2009 में इंग्लैंड के खिलाफ उनके 291 रन ने वेस्टइंडीज के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर की बराबरी की।

श्रीलंका के रंगना हेराथ ने लगभग दो दशकों के करियर में 433 टेस्ट विकेट लिए, और अब तक के टेस्ट विकेट लेने वालों में शीर्ष दस में शामिल हैं।

सारा मैकग्लाशन सूची में एकमात्र न्यूजीलैंड के खिलाड़ी हैं, जो 14 साल के करियर के दौरान 200 से अधिक मैच खेले हैं। ज़िम्बाब्वे के ऑलराउंडर ग्रांट फ्लावर को 288 मैचों में अपने 10,000 अंतरराष्ट्रीय रनों के लिए मान्यता दी गई है और उनका भी नाम इस सूची में शामिल है।

एमसीसी के मुख्य कार्यकारी और सचिव गाय लैवेंडर ने एक बयान में कहा, हम एमसीसी के अपने नए आजीवन सदस्यों का स्वागत करने के लिए रोमांचित हूं। आज घोषित क्रिकेटर अपनी पीढ़ी के महानतम अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में से हैं।

सदस्यता प्रात करने वाले खिलाड़ी इस प्रकार हैः हाशिम अमला (दक्षिण अफ्रीका), इयान बेल (इंग्लैंड), इयान बिशप (वेस्ट इंडीज), एलेक्स ब्लैकवेल (ऑस्ट्रेलिया), शिवनारायण चंद्रपॉल (वेस्टइंडीज), एलिस्टेयर कुक (इंग्लैंड), ग्रांट फ्लावर (जिम्बाब्वे), हर्शल गिब्स (दक्षिण अफ्रीका), रंगना हेराथ (श्रीलंका), जैक्स कैलिस (दक्षिण अफ्रीका), डेमियन मार्टिन (ऑस्ट्रेलिया), सारा मैकग्लाशन (न्यूजीलैंड), मोर्ने मोर्कल (दक्षिण अफ्रीका), रामनरेश सरवन (वेस्टइंडीज), हरभजन सिंह (भारत)), जवागल श्रीनाथ (भारत), सारा टेलर (इंग्लैंड), मार्कस ट्रेस्कोथिक (इंग्लैंड)।

टी20 विश्व कप: धोनी और गेल दिखे साथ, बीसीसीआई ने शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के मेंटर महेंद्र सिंह धोनी और वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल को अबु धाबी में साथ देखा गया, जहां सुपर 12 की टीमें आईसीसी विश्व कप की तैयारी में जुटी हैं।

भारतीय टीम ने सोमवार को अपने पहले वार्मअप मैच में इंग्लैंड को सात विकेट से हराया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मैच के बाद ट्विटर पर धोनी और गेल की फोटो साझा की। बीसीसीआई ने लिखा, दो महान खिलाड़ी एक साथ एक यादगार फोटो में। वेस्टइंडीज क्रिकेट ने भी कुछ फोटो अपने सोशल मीडिया पर साझा की जिसमें धोनी, ड्वेन ब्रावो, ऋषभ पंत, निकोलस पूरन, गेल और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व गेंदबाज डेल स्टेन नजर आए। एक और फोटो साझा की गई है जिसमें भारतीय कोच रवि शास्त्री, कैरेबियाई कोच फिल सिमंस और पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच मैथ्यू हेडन साथ नजर आ रहे हैं। इस फोटो के बारे में लिखा गया, अच्छा माहौल और मुस्कुराते चेहरे। अब भारतीय टीम को 20 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा वार्मअप मैच खेलना है।

उम्मीद है टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली हार का इस्तेमाल अतिरिक्त मेहनत के तौर पर करेगी : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम के स्टार ओपनर लोकेश राहुल ने मंगलवार को कहा कि भारत को 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार से निराशा मिली थी लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम इस हार को टी20 विश्व कप जीतने के लिए अतिरिक्त मेहनत करने की प्रेरणा के तौर पर इस्तेमाल करेगी।

विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत पाकिस्तान के खिलाफ 24 अक्टूबर को मुकाबले से करेगी।

राहुल ने रेडबुल द्वारा आयोजित क्लबहाउस सत्र में कहा, मैं काफी उत्साहित हूं और विश्व कप बड़ा इवेंट है। सभी क्रिकेटर इसके लिए तैयार हैं तथा सभी ने इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए ट्रेनिंग की है। 2019 विश्व कप सेमीफाइनल की हार ने टीम को काफी दुख पहुंचाया और उम्मीद करते हैं कि हम इसका इस्तेमाल खुद को प्रेरित रखने तथा टूर्नामेंट जीतने के लिए अतिरिक्त मेहनत करने के तौर पर करेंगे।

इस टी20 विश्व कप को पिछले साल होना था लेकिन कोरोना वायरस के कारण इसे स्थगित किया गया। हालांकि, राहुल का मानना है कि इससे टीमों को उनके बेस्ट संयोजन को देखने के लिए समय मिला है।

राहुल ने कहा, विश्व कप को पिछले साल होना था लेकिन इसे स्थगित किया गया और इससे टीमों को बेस्ट संयोजन सोचने का मौका मिला। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी टीम इंडिया के साथ इस बड़े इवेंट के लिए मेंटर के तौर पर जुड़े हैं। इस पर राहुल ने कहा कि धोनी का वापस आना सुखद है।

कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता. काम तो बस काम होता है. हर काम की अपनी अहमियत होती है. ध्यान रखिए कि आप कोई भी काम कर रहे हैं तो समय और ऊर्जा आपका ही खर्च हो रहा है जो फिर वापस नहीं आने वाला. जो भी काम करें, दिलचस्पी के साथ करें. इससे जो काम करेंगे, उसका रिजल्ट बेहतर आएगा. अपनी समस्याओं को पहचानें. उन्हें जानने और समझने की कोशिश करें. अगर समस्या को समझने लगेंगे तो उसके हल के बारे में बेहतर ढंग से सोच सकेंगे. हमेशा कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहें.

जीवन में सफलता के लिए जरूरी है सही एटीट्यूड

जीवन में सफलता के लिए सही एटीट्यूड इसलिए जरूरी है, क्योंकि इसके बिना आप चाहे कितने ही टैलेंटेड क्यों न हों, कामयाबी के शिखर को नहीं छू सकते. नेपोलियन बोनापार्ट की डिक्शनरी में असंभव शब्द नहीं था. इसका मतलब यह है कि अगर आप खुद के करियर के लिए कुछ सोच लेते हैं तो उसे करके दम लें. कोई काम मुश्किल नहीं. ध्यान रखें, यदि आप स्वयं ही सोच लेंगे कि आप अमुक कार्य नहीं कर सकते तो सचमुच नहीं कर पाएंगे. कामयाब होने की पहली सीढ़ी है अपने आपसे प्यार करना. आप जैसे भी हों, स्वयं को स्वीकारना सीखें और खुद में नित्य नए गुणों का समावेश करें. कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता. काम तो बस काम होता है. हर काम की अपनी अहमियत होती है. ध्यान रखिए कि आप कोई भी काम कर रहे हैं तो समय और ऊर्जा आपका ही खर्च हो रहा है जो फिर वापस नहीं आने वाला. जो भी काम करें, दिलचस्पी के साथ करें. इससे जो काम करेंगे, उसका रिजल्ट बेहतर आएगा. अपनी समस्याओं को पहचानें. उन्हें जानने और समझने की कोशिश करें. अगर समस्या को समझने लगेंगे तो उसके हल के बारे में बेहतर ढंग से सोच सकेंगे. हमेशा कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहें. नया सीखने के लिए जरूरी नहीं है कि आप सिर्फ अपने फील्ड की जानकारी से ही अपडेट रहें. प्रेरणा कहीं से भी मिल सकती है. कभी-कभी रुटीन से हटकर काम करने की कोशिश करें. वे लोग बड़े बनते हैं जो वक्त का इंतजार करते हैं. इसका अर्थ यह नहीं कि हम हाथ पर हाथ रखकर सिर्फ ख्याली पुलाव पकाते रहें. सतत क्रियाशील बने रहें. उतार-चढ़ाव जिंदगी का हिस्सा है. जब आप चोटी पर रहें तो यह याद रखें कि उसके बाद खाई भी है. इसलिए उसे बरकरार रखने की कोशिश करें. खुद पर नियंत्रण रखें और अपने मातहत के साथ शिष्टता से पेश आएं. किसी भी पद या दायित्व को लेकर अहंकार न पालें, नहीं तो नीचे गिरना निश्चित है. साथ ही, जब आपका खराब वक्त चल रहा हो तो एक बार आत्मचिंतन करें कि आपने क्या अच्छा किया और क्या बुरा. झूठे आत्मसम्मान या झूठी तसल्ली से आप खुद को अंधकार में रखते हैं. सभी को सम्मान देना सीखें.

आपको तभी सम्मान मिलेगा जब आप दूसरों को सम्मान देंगे. किसी की पर्सनालिटी में बदलाव एकाएक नहीं आता. एटीटयूड भी अचानक नहीं बदलता. जो अंदर से खोखले होते हैं, वही हमेशा दूसरों पर रोब दिखाते हैं. इसलिए हमेशा रीयल बने रहें. कामयाब और नाकाम लोगों में यही फर्क है कि वे नाकामी का सामना कैसे करते हैं. कामयाब लोग अपनी गलतियों से सबक लेते हैं और आगे बढ़ते हैं. अपने से सफल या कामयाब लोगों की ओर निगाह डालें तो आपको कामयाबी के गुर ही सीखने को मिलेंगे.

स्टॉक ब्रोकर कारोबार के बादशाह

एक स्टॉक ब्रोकर या शेयर ब्रोकर अपने क्लाइंट्स के लिए विभिन्न कंपनियों के शेयरों को कमीशन पर खरीदने-बेचने का काम करता है। हालांकि यहां कई बड़ी ब्रोकरेज कंपनियां हैं, जो खुद को सिर्फ शेयरों तक ही सीमित नहीं रखतीं। वे अपने क्लाइंट्स को इनके साथ-साथ म्यूचुअल फंड्स, बीमा, मुद्रा और अन्य वित्तीय सेवाएं भी मुहैया कराती हैं।

यह करियर का एक ऐसा क्षेत्र है, जहां आगे बढ़ पाना बहुत आसान नहीं, जब तक कि आप इस विषय के बारे में पूरी जानकारी न रखते हों। इस क्षेत्र में उतरने के इच्छुक ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन किए हुए व्यक्ति को बतौर असिस्टेंट रिलेशनशिप मैनेजर (एआरएम) और रिलेशनशिप मैनेजर (आरएम) की जॉब मिल सकती है। उनका काम अपने क्लाइंट्स के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने के साथ-साथ उन्हें बाजार के उतार-चढ़ाव की जानकारी देना है। साथ ही यह बताना भी कि वे कितना जोखिम उठा सकते हैं, उन्हें क्षेत्र से संबंधित जानकारी के बारे में सलाह देना होता है।

इसमें करियर बनाने के लिए आप किसी बड़ी ब्रोकरेज कंपनी की फ्रैंचाइजी ले सकते हैं या उसका सब-ब्रोकर बनने का विकल्प भी खुला है। एक सब-ब्रोकर के रूप में आपको अपने कारोबार के आकार के अनुरूप एक रकम अपने ब्रोकर के पास बतौर सुरक्षा रखनी पड़ती है। खुद एक ब्रोकर के रूप में बाजार में उतरना इतना आसान नहीं है, क्योंकि इसमें एक बेहद बड़ी रकम और जोखिम शामिल होते हैं।

इस क्षेत्र में समय प्रबंधन एक बेहद अनिवार्य शर्त है। सुबह 9 बजे से 10 बजे तक- आर्थिक समाचार पत्रों और कारोबार से जुड़े टीवी चैनल खंगालना। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्री-मार्केट ओपनिंग की बैठक में शामिल होना

सुबह 10 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक - बाजार खुलने पर शेयरों व अन्य प्रतिभूतियों को खरीदना व बेचना। क्लाइंट्स को या उनकी फोन कॉल पर उनकी खरीद-फरोख्त के लिए बातचीत करना

दोपहर 3.30 बजे से शाम 5 बजे तक - बाजार बंद होते हैं। क्लाइंट्स को दोबारा उनकी खरीद-फरोख्त के बारे में बताना। अच्छे संबंध बनाने के लिए क्लाइंट्स से मिलना, शाम 5 बजे से 6 बजे तक नए लोगों को काम पर रखने के लिए आयोजित किए गए प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेना

वेतन - वित्तीय विषय के साथ एमबीए किए हुए किसी रिलेशनशिप मैनेजर को सालाना 2.4 लाख से 4 लाख रुपये तक वेतन प्राप्त हो सकता है, जो उसकी नियोक्ता कंपनी पर निर्भर है। गैर-वित्तीय विषय के रिलेशनशिप मैनेजर का वेतन इससे कम होता है। एक अच्छा रिलेशनशिप मैनेजर तरक्की करते हुए पहले टीम लीडर और फिर ब्रांच का जोनल मैनेजर भी बन सकता है।

कौशल एवं योग्यताएं - सेंसेक्स और निफ्टी की नब्ज पहचाने की काबिलियत, भरोसा और ईमानदार, नहीं तो आप क्लाइंट की संभावनाओं और कंपनी की साख को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आपके ऊपर लोगों की जीवन भर की पूंजी निर्भर होती है, इसलिए सही सलाह देना काफी गंभीर विषय है।

कैसे पहुंचें - ज्यादातर ब्रोकरेज कंपनियां अपने एआरएम और आरएम को जाने-माने एमबीए संस्थानों से चुनती हैं। बिजनेस डिग्री के अलावा आप खुद को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के वित्तीय बाजार में सर्टिफिकेट और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के डेरिवेटिव एक्सचेंज सर्टिफिकेट के साथ इस क्षेत्र में उतरने के लिए तैयार कर सकते हैं।

नफा-नुकसान - शेयर बाजार आर्थिक विकास से सीधे-सीधे जुड़े हुए हैं, इसीलिए अधिक सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी का मतलब है अधिक वेतन।

आपकी एक गलती से क्लाइंट को काफी बड़ा नुकसान हो सकता है, इसीलिए यहां दबाव काफी भारी है। यहां काम करने का असर आपकी पारिवारिक जिंदगी पर पड़ सकता है। यहां बाजार में टैलेंट या कौशल की कमी है। अगर आप अच्छा कारोबार करते हैं तो आप क्लाइंट्स की नजर में भी आते हैं और बतौर स्टॉक ब्रोकर आपके भविष्य और करियर में काफी संभावनाएं हैं।

एटॉमिक एनर्जी में बढ़ते अवसर

दुनिया के तमाम देश परमाणु ऊर्जा को अपना रहे हैं जिसने युवाओं को करियर के बेहतर अवसर प्रदान किये हैं. दिल्ली विश्वविद्यालय ने इन अवसरों को देखते हुए कुछ साल पहले एमटेक इन न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी का कोर्स शुरू किया है. यह कोर्स छात्रों को न्यूक्लियर साइंस का प्रैक्टिकल ज्ञान कराता है. देश के अन्य विश्वविद्यालयों और आईआईटी संस्थानों में भी यह कोर्स खूब लोकप्रिय हो रहा है. शताब्दी के आखिरी दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देश न्यूक्लियर पावर से लैस हो गए. अन्य देशों में भी इसकी होड़ लगी हुई है. भारत में भी इस दिशा में लगातार काम जारी है. जगह-जगह प्रयोगशालाओं में काम हो रहा है. इससे मिलने वाली ऊर्जा का अध्ययन किया जा रहा है. जीवन में परमाणु ऊर्जा की उपयोगिता पर भी अनेक शोध हो रहे हैं. प्रयोगशालाओं में हर दिन होने वाले काम ने युवाओं को करियर के नए अवसर प्रदान किए हैं.

दिल्ली विश्वविद्यालय ने इन अवसरों को देखते हुए कुछ साल पहले एमटेक इन न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी का कोर्स शुरू किया है. तीन साल का यह कोर्स छात्रों को न्यूक्लियर साइंस का प्रैक्टिकल ज्ञान कराता और एटॉमिक एनर्जी की देखरेख में चलने वाले लैब में काम करने का हुनर सिखाता है. देश के अन्य विश्वविद्यालयों और आईआईटी संस्थानों में भी यह कोर्स खूब लोकप्रिय हो रहा है. वैज्ञानिक बनने की चाहत रखने वाले छात्र इसके आकर्षण में खिंचे चले आते हैं. वे रिसर्च और टीचिंग के कार्य से भी इस कोर्स के जरिए जुड़ रहे हैं.

कोर्स का ढांचा - तीन साल के इस कोर्स को छह सेमेस्टर में बांटा गया है. पहले सेमेस्टर में इंजीनियरिंग ड्राइंग, क्वांटम मैकेनिक्स, रेडिएशन टेक्नोलॉजी और उसका प्रयोग, न्यूक्लियर रेडिएशन डिटेक्शन हैं. दूसरे में मैथेमैटिकल एंड न्यूमेरिकल मेथड्स इन न्यूक्लियर इंजीनियरिंग, न्यूक्लियर एंड कंप्यूटेशनल साइंस और न्यूक्लियर मैनेजमेंट के बारे में बताया जाता है. तीसरे सेमेस्टर में न्यूक्लियर रिएक्टर फिजिक्स, प्लाज्मा फिजिक्स, न्यूक्लियर पावर इंजीनियरिंग और न्यूक्लियर मेजरमेंट जैसी चीजें शामिल हैं. चौथे सेमेस्टर में न्यूक्लियर रिएक्टर डिजाइन और न्यूक्लियर इंजीनियरिंग जैसी चीजें शामिल हैं. पांचवें सेमेस्टर में छात्रों को न्यूक्लियर पावर इंजीनियरिंग एंड फ्यूजन रिएक्टर डिजाइन के बारे में पढ़ना होगा. आखिरी सेमेस्टर में छात्रों को डिजर्टेशन पर काम करना है. यह पांचवें सेमेस्टर से ही शुरू हो जाता है और कोर्स खत्म होने तक पूरा करके देना होता है. इसके लिए छात्रों को भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटोमिक रिसर्च, इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज्मा रिसर्च और देश के अन्य नामचीन रिसर्च संस्थानों में काम करने का मौका मिलता है.

दाखिला - दिल्ली विश्वविद्यालय में इनमें दाखिले के इच्छुक छात्रों को आईआईटी की जैम यानी ज्वाइंट टेस्ट फॉर एमएससी फिजिक्स उत्तीर्ण होना अनिवार्य है या फिर आईआईटी की पोस्ट बीएससी प्रोग्राम में पास होना जरूरी है. कुछ सीटें दिल्ली विश्वविद्यालय में भौतिक विभाग में एमएससी में दाखिले की प्रवेश परीक्षा के मेरिट में ऊपरी रैंक वालों के लिए भी रखी गयी हैं. दाखिले की अंतिम लिस्ट चयनित छात्रों के साक्षात्कार के बाद जारी होगी. कई और संस्थान भी जैम के जरिए अपने यहां दाखिला देते हैं. कुछ संस्थान इस कोर्स में दाखिला निजी प्रवेश परीक्षा के जरिए भी देते हैं.

करियर - कोर्स पूरा होने के बाद छात्रों को एटॉमिक एनर्जी विभाग में प्लेसमेंट की सुविधा उपलब्ध है. इसके अंतर्गत चलने वाले विभिन्न रिसर्च संस्थानों में छात्रों को काम करने का मौका मिलता है. न्यू क्लियर साइंटिस्ट के रूप में देशभर में काम करने का मौका मिलता है. किरोड़ीमल कॉलेज में भौतिक विभाग के शिक्षक डॉ. अगम झा के मुताबिक, इसमें पढ़ने वाले छात्रों को दूसरे वर्ष में फ्रांस जाकर प्रोजेक्ट का काम पूरा करना होता है. रिसर्च संस्थानों में आगे के अध्ययन के लिए भी छात्र जा सकते हैं. इस कोर्स को करने के बाद देश-विदेश में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पीएचडी करने का भी अवसर मिलता है. यह कोर्स एक तरह से रोजगारपरक कोर्स है जहां हर वर्ष प्लेसमेंट होता है. साइंटिस्ट के अलावा विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में भौतिक और इससे संबद्ध विभागों में अध्ययन- अध्यापन से जुड़ सकते हैं. इसके लिए पीएचडी या नेट होना जरूरी है.

वेतनमान - इस कोर्स को करने के बाद शुरुआती वेतनमान 40 हजार रुपये है. विश्वविद्यालय या रिसर्च संस्थानों में यह 50 हजार रुपये से शुरू होता है और लाख रुपये तक जाता है. छात्रों को रिसर्च के दौरान 25 से 30 हजार रुपये के बीच प्रतिमाह स्कॉलरशिप दी जाती है

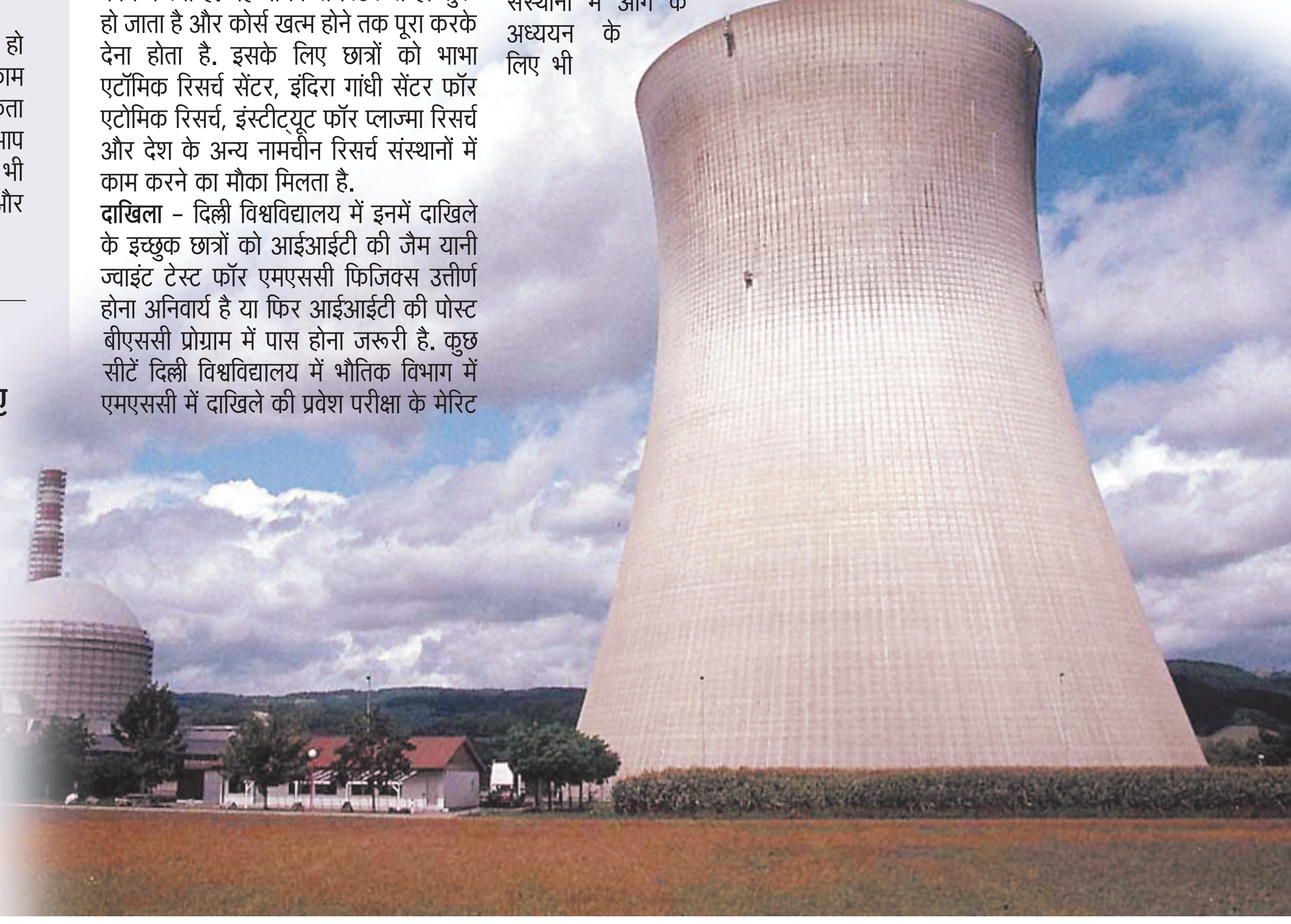

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जापान में आम चुनाव के लिए प्रचार शुरू

टोक्यो। जापान में 31 अक्टूबर को होने वाले आम चुनाव के लिए प्रचार मंगलवार से शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने अपनी कोविड-19 और आर्थिक नीतियों के लिए प्राधिकरण की मांग की और विपक्षी दल सत्तारूढ़ गठबंधन की शक्ति को कम करने के लिए एकजुट हुए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रचार में, उम्मीदवार शक्तिशाली निचले सदन या प्रतिनिधि सभा में 465 सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके छोटे सहयोगी कोमितो को बहुमत बनाए रखने की उम्मीद है। एलडीपी का नेतृत्व करते हुए, किशिदा ने एबेनॉमिक्स के संशोधन में आर्थिक विकास हासिल करने और मध्यम वर्ग को धन का पुनर्वितरण करने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसकी आलोचना कॉरपोरेट आय और स्टॉक की कीमतों को बढ़ाने में मदद करने के लिए की गई है, लेकिन यह वेतन वृद्धि को बढ़ावा देने में विफल रही है। उन्होंने कहा है कि सरकार वर्ष के भीतर महामारी से निपटने के लिए का प्रोत्साहन पैकेज तैयार करेगी। एलडीपी भविष्य में कोविड -19 के प्रकोप के खिलाफ जापान की चिकित्सा प्रणाली का समर्थन करने और डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया से मिसाइल खतरों के बीच रक्षा खर्च को बढ़ावा देने का वादा कर रहा है। कॉन्स्टिट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान (सीडीपीजे) सहित विपक्षी समूहों का मानना है कि उपभोग कर को मौजूदा 10 प्रतिशत से कम किया जाना चाहिए।

इथियोपिया सरकार ने टाइग्रे में हवाई हमले का खंडन किया

अदीस अबाबा। इथोपिया की संघीय सरकार ने टाइग्रे क्षेत्र की राजधानी मेकेले और उसके आसपास के इलाकों में नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाकर किए गए कथित हवाई हमले का खंडन किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अवैध रूप से प्रतिबंधित टाइग्रे पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट (टीपीएलएफ) के प्रवक्ता गेटाचेव रेडा ने एक ट्विटर पोस्ट में आरोप लगाया कि सोमवार को कथित हवाई हमले ने मेकेले के अंदर और बाहर नागरिक ठिकानों पर हमला किया। हालांकि, इथियोपिया की संघीय सरकार ने इस आरोप का खंडन किया है। इथियोपियाई सरकार के प्रवक्ता लेगेसी तुलु ने कहा कि संघीय सरकार अपने ही शहर पर हमला नहीं करेगी। इस बीच, इथियोपिया सरकार ने सोमवार को खुलासा किया कि विद्रोही बलों के हमले में कम से कम 30 नागरिक मारे गए। इथियोपिया के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, टीपीएलएफ के प्रति बलों ने हाल ही में टाइग्रे क्षेत्र के पड़ोसी अम्हारा और अफार क्षेत्रों पर संपत्ति लूटने और बच्चों, माताओं और बुजुर्गों को मौत के घाट उतारने के लिए नए हमले शुरू किए थे। एक बयान में कहा गया कि उन्होंने हाल ही में चिफरा और वुचले जैसे नागरिकों के गांवों को अंधाधुंध निशाना बनाया और गोलाबारी की और अकेले वुचले में 30 से अधिक नागरिकों को मार डाला। सरकार ने टीपीएलएफ के निरंतर अत्याचारों की निंदा करने में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से प्रतिक्रिया की कमी पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। हाउस ऑफ पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव्स, संसद के निचले सदन ने पहले टीपीएलएफ को एक आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया था।

साउथ कोरिया के खाद्य सेवा खंड में कर्मचारियों की संख्या में सुधार

सियोल। मंगलवार को सामने आए आंकड़ों से पता चलता है कि दक्षिण कोरियाई खाद्य सेवा खंड में कर्मचारियों की संख्या एक साल पहले के मुकाबले अप्रैल में दोबारा बढ़ गई है क्योंकि कोविड-19 महामारी के बाद नौकरी बाजार में सुधार देखा जा रहा है। स्टेटिस्टिक्स कोरिया के अनुसार, रेस्तरां और भोजनालयों में कार्यरत लोगों की संख्या अप्रैल में 1.6 मिलियन तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 65,000 अधिक है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2020 से टैली ने पलटवार किया, जब ऐसे श्रमिकों की संख्या में 179,000 की गिरावट आई, जो साल दर साल गिरावट दर्ज की गई। फिर भी, खाद्य सेवा खंड में श्रमिकों की कुल संख्या पूर्व-महामारी के स्तर से नीचे रही, यह दर्शाता है कि इस क्षेत्र में मंदी जारी है। अप्रैल 2019 में ऐसे कर्मचारियों की संख्या 1.72 मिलियन पहुंच गई। आंकड़ों से पता चलता है कि खाद्य सेवा क्षेत्र के श्रमिकों ने अप्रैल में काम पर रखे गए कुल 27.2 मिलियन लोगों में से 5.9 प्रतिशत का सबसे बड़ा हिस्सा लिया।

इराकी प्रधानमंत्री ने आईएस के प्रमुख आतंकवादी को पकड़ने की घोषणा की

बगदाद। इराकी प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने पांच साल पहले बगदाद में हुए बम विस्फोट के लिए कथित रूप से जिम्मेदार इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक प्रमुख आतंकवादी की गिरफ्तारी की घोषणा की है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अल-कदीमी ने सोमवार को ट्विटर पर कहा कि इराकी खुफिया सेवा ने अबू उबैदा बगदाद उर्फ गजवान अल-जॉबाई को गिरफ्तार करने के लिए देश के बाहर एक अभियान चलाया था। इराकी सेना के कमांडर-इन-चीफ के प्रवक्ता याहिया रसूल ने कहा कि अल-जॉबाई इराकी लोगों और सुरक्षा बलों के खिलाफ कई अभियानों को अंजाम देने में अपनी भूमिका के लिए सबसे वांटेड आतंकियों में से एक है। रसूल ने कहा, अल-जॉबाई 2016 और 2017 के दौरान बगदाद में कम से कम चार आत्मघाती बम हमलों में भी शामिल रहा। 2017 में इराकी बलों द्वारा आईएस को हराने के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हो रहा है। हालांकि, आईएस तब से सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ लगातार हमले कर रहे हैं।

7 दिन हो गए हिन्दुओं पर हमले जारी हैं, मदरसे फैला रहे हैं नफरत और जिहादिस्तान बनता जा रहा बांग्लादेश?

ढाका (एजेंसी)।

बीते सात दिनों के दौरान बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। दुर्गा पूजा पंडाल से शुरू हुए हमले हिन्दुओं के घरों को निशाना बनाए जाने, लूट-पाट, आगजनी पर आ गई है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दंगाइयों को चेतावनी तो दे रही हैं लेकिन इसका असर जमीन पर नहीं दिख रहा है। यही वजह है कि मशहूर लेखिका तसलीमा नसरीन ने कहा है कि हिन्दुओं को गांव जल रहे हैं, हसीना बांसुरी बजा रही हैं।

बांग्लादेश में मदरसे फैला रहे हैं नफरत?

बांग्लादेश में हिंदू विरोधी हिंसा की हालिया घटनाओं से क्षुब्ध मशहूर लेखिका तसलीमा नसरीन ने कहा है कि उनका देश अब 'जिहादिस्तान' बनता जा रहा है जहां सरकार अपने सियासी फायदे के लिये मज़हब का इस्तेमाल कर रही है और मदरसे कट्टरपंथी पैदा करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि सभी सरकारों ने अपने राजनीतिक लाभ के लिये धर्म का इस्तेमाल किया। उन्होंने इस्लाम को राजधर्म बना दिया जिससे वहां हिंदुओं और बौद्धों की स्थिति दयनीय हो गई है। उन्होंने कहा ,'' प्रधानमंत्री शेख हसीना को बखूबी पता है कि दुर्गापूजा के समय हमेशा हिंदुओं पर जिहादियों के हमले का खतरा रहता है तो उनकी सुरक्षा के उपाय क्यों नहीं किये गए ?'' उन्होंने कहा ,'' मुझे लगता है कि अब दहशत के कारण बचे खुचे हिंदू भी वहां नहीं रहेंगे। सरकार चाहती तो उनकी रक्षा कर सकती थी। यह हिंदू विरोधी मानसिकता चिंताजनक है।

पंडाल से शुरू होकर हिन्दुओं के घरों तक हिंसा

बांग्लादेश में तीन दिन पहले भड़की नफरत की आग अब खतरनाक मोड़ पर आ पहुंची है। इस बार निशाने पर रंगपुर के हिन्दू परिवार आए हैं। दंगाइयों ने यहां हिन्दू परिवार के घरों पर धावा बोल कर न केवल लूटपाट की बल्कि एक साथ दर्जनों घरों को फूंक डाला। हिन्दुओं के घरों को आग के हवाले करने से पहले दंगाइयों ने जमकर लूटपाट की। गौरतलब है कि पिछ्ले सप्ताह बांग्लादेश में, कोमिला इलाके में दुर्गापूजा के एक पंडाल में कथित ईशनिंदा के बाद हिंदू मंदिरों पर हमले किए गए और कोमिला, चांदपुर, चटगांव, कॉक्स बाजार, बंदरबन, मौलवीबाजार, गाजीपुर, फेनी सहित कई जिलों में पुलिस और हमलावरों के बीच संघर्ष हुआ।

इजरायल ने भारत के वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट को मान्यता देने की भरी हामी, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर वार्ता फिर से शुरू करने पर भी बनी सहमति

नई दिल्ली। दुनिया के अगर 200 सौ से ज्यादा देशों को देखा जाए तो भारत एकलौता देश होगा जिसके आपस में कट्टर दुश्मन माने जाने वाले इजरायल और ईरान दोनों के साथ ही बेहद करीबी और रणनीतिक संबंध हैं। जितना इजरायल हमारे लिए महत्व रखता है उतना ही ईरान भी। हालिया दौर की बात करे तो इजरायल भारत के काफी ज्यादा करीब आ गया है। पिछले कुछ सालों में दोनों के बीच रक्षा सौदे भी साइन हुए हैं। भारत इजरायली हथियारों का नंबर एक खरीदार है। इसके साथ ही भारत को जब कभी भी इमरजेंसी बेसिस पर मिसाइल, बम या किसी और हथियार की जरूरत पड़ी है इजरायल ने हमेशा भारत का साथ दिया है। वैसे तो दोनों देश एग्रीकल्चर, बायोटेक्नोलॉजी और आईटी के फिल्ड में भी साथ आए हैं। लेकिन दोनों देशों के संबंधों का आधार डिफेंस कॉरपोरेशन और इंटेलिजेंस शेयरिंग ही है।

बच्चे करेंगे खराब व्यवहार तो उनके मां-बाप को किया जाएगा दंडित, चीन की संसद में बन रहा कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन आए दिन अपने देश में नई-नई नीतियां लाता रहता है, या कानूनों में अपने फायदे के लिए जिनपिंग सरकार द्वारा बदलाव किए जाते हैं। इसी क्रम में अब चीन बच्चों के अपराध की सजा मां-बाप को देने की तैयारी में है। चीन की संसद से इस सप्ताह परिवार शिक्षा प्रोत?साहन कानून के एक मसौदे पर विचार करने की उम्मीद जताई जा रही है। जिसके तहत बच्चों के बुरे व्यव्हार के लिए माता-पिता को जवाबदेह ठहराया जाएगा। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार अगर कानून पारित हो जाता है, तो माता-पिता को उनके बच्चों के दुर्व्यवहार करने के लिए दंडित किया जाएगा। इसके साथ ही बच्चों को मजबूरन चीनी कम्युनिस्ट पार्टी, देश और समाजवाद से प्यार करना सिखाने के लिए मजबूर किया जाएगा। प्रस्तावित कानून का एक मसौदा जिस पर नेशनल पीपुल्स कांग्रेस द्वारा अपने स्थायी समिति सत्र के दौरान बहस की जाएगी। प्रस्तावित नियम बच्चों को आराम करने और व्यायाम करने के लिए अलग-अलग समय निर्धारित करने की भी बात कहता है।

नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के विधायी मामलों के आयोग के प्रवक्ता झांग तिइवेई ने कहा कि किशोरों के दुर्व्यवहार करने के कई कारण हैं, इसमें ठीक तरीके से पारिवारिक शिक्षा न मिलना या इसमें कमी बड़ा कारण है। बिल के मसौदे के अनुसार, उनसे बच्चों में ÷बुजुर्गों का सम्मान करने और युवाओं के प्रति प्यार की भावना पैदा करने की भी उम्मीद की जा रही है। देश के शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में इस बात पर विचार किया है कि बच्चों को कितने घंटे वीडियो गेम खेलना चाहिए। बच्चों को कहा गया था कि वे शुक्रवार, शनिवार और रविवार को ही केवल एक घंटे तक ऑनलाइन गेम खेलने की अनुमति देते हैं। चीन ने होमवर्क भी कम करने का ऐलान किया है और बड़े विषयों में स्कूल के बाद सप्ताहांत या छुट्टी के दिन ट्यूशन पढ़ाने पर बैन लगा दिया है।

चीन ने ऑनलाइन वीडियो गेम 'आध्यात्मिक अफीम' की संज्ञा दी है। एएनआई के अनुसार चीनी शिक्षा मंत्रालय ने दिसंबर में चीनी पुरुषों से कम फेमिनल होने की अपील की थी। । इसके साथ ही इन्टरनेट सेलिब्रिटीज के अंधभक्त बनने के बजाए सॉकर जैसे खेलों को बढ़ावा देने की बात कही थी।

पाकिस्तान: इमरान को झटका देंगे बाजवा? आईएसआई चीफ फैज हामिद के साथ की गुप्त बैठक

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में आईएसआई चीफ की नियुक्ति को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है. इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा आमने-सामने आ गए हैं. हाल ही में सेना प्रमुख बाजवा ने पीएम इमरान खान को सूचना दिए बिना ही आईएसआई मुख्यालय पहुंच गए. वहां उनकी आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद के साथ गुप्त बैठक हुई. बैठक में आंतरिक सुरक्षा के अलावा अफगानिस्तान के हालात को लेकर भी बातचीत की गई. हालांकि इस बैठक का असली एजेंडा क्या था, इसका पता नहीं चला है. चर्चा इस बात को लेकर है कि क्या बाजवा आईएसआई चीफ के साथ कोई नई चाल तो नहीं चल रहे हैं. पाकिस्तान का इतिहास रहा है कि अगर सेना प्रमुख और आईएसआई चीफ एक साथ आ जाएं तो प्रधानमंत्री की कुर्सी खतरे में आ सकती है.

विवाद की ये है असली वजह

दरअसल पाकिस्तान में इमरान खान हाल ही में नए आईएसआई

चीफ की नियुक्ति को लेकर सवालों के घेरे में हैं. सेना ने छह अक्टूबर को घोषणा की थी कि मौजूदा आइएसआइ प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हमीद को पेशावर कोर कमांडर बनाया गया है, जबकि उनकी जगह लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम को नियुक्त किया गया है. लेकिन प्रधानमंत्री कार्यालय ने तब से लेफ्टिनेंट जनरल अंजुम की नियुक्ति की आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की है, जिसके बाद से ही सरकार और सेना के बीच संबंधों में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है.

रोमानिया के नामित प्रधानमंत्री ने कैबिनेट लाइनअप को पूरा करने की घोषणा की

बुखरेस्ट (एजेंसी)।

रोमानिया के मनोनीत प्रधानमंत्री डेसीन सिओलोस ने घोषणा की है कि उन्होंने अपनी अल्पसंख्यक कैबिनेट की सूची के साथ अपनी सरकार के कार्यक्रम को संसद में प्रस्तुत किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट अनुसार 52 वर्षीय सिओलोस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी सरकार स्पष्ट वर्तमान प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करेगी। हमें स्वास्थ्य संकट के लिए समाधान और तत्काल उपायों की आवश्यकता है, और साथ ही साथ ऊर्जा संकट की तैयारी के लिए, जो इस सर्दी में लोगों को भारी नुकसान पहुंचा सकता है।

सिओलोस ने जोर देकर कहा कि हम उन कठिन उपायों की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। मुझे उम्मीद है कि सुनवाई और वोट (संसद में) जल्द से जल्द आयोजित किया जा सकता है, अगर इस सरकार को संसद की अनुमति मिलती है तो इस सप्ताह हम जल्द से जल्द काम करने के लिए तैयार हैं। संसद कुछ ही दिनों में नई सरकार को विश्वास मत देगी।

प्रस्तावित नया मंत्रिमंडल पूरी तरह से यूएसआर के सदस्यों से बना होगा, जिसकी 465 सदस्यीय संसद में सिर्फ 80 सीटें हैं। सियोलोस को दो अन्य प्रमुख दलों (नेशनल लिबरल पार्टी, पीएनएल, और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी, पीएसडी) और अन्य छोटे विपक्षी समूहों के समर्थन का अभाव है। स्थानीय विश्लेषकों का मानना है कि सियोलोस को संसद में आवश्यक 50 प्रतिशत से अधिक मतों का समर्थन मिलने की संभावना बहुत कम है।

संसद में सबसे बड़ी पार्टी, पीएसडी के नेता मार्सेल सिओलाकु ने सिओलोस द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम को शून्य संभावना के साथ एक मसौदा कहा। पीएनएल के अध्यक्ष फ्लोरिन सीटू के नेतृत्व वाली रोमानिया की गठबंधन सरकार 5 अक्टूबर को पीएसडी द्वारा शुरू किए गए एक निंदा प्रस्ताव में गिर गई जब यूएसआर ने कैबिनेट से अपनी वापसी की घोषणा की।

साउथ कोरिया, यूएस, जापानी खुफिया प्रमुखों ने प्योंगयांग की मिसाइल क्षमता पर चर्चा की

सियोल (एजेंसी)।

सियोल की राज्य जासूसी एजेंसी ने कहा कि दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के खुफिया प्रमुखों ने मंगलवार को मुलाकात की और उत्तर कोरिया द्वारा पूर्वी सागर की ओर पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल (एसएलबीएम) की गोलीबारी पर चर्चा की।

दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार, मंगलवार की सुबह, उत्तर कोरिया ने सिनपो के आसपास से कम दूरी की मिसाइल दागी, जहां उसका मुख्य पनडुब्बी शिपयार्ड स्थित है। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि यह इस साल उत्तर के आठवें ज्ञात प्रमुख मिसाइल परीक्षण को चिह्नित करता है। उत्तर का नवीनतम बल प्रदर्शन तब आया जब राष्ट्रीय खुफिया के अमेरिकी निदेशक एवरिल हैन्स और जापान के कैबिनेट खुफिया निदेशक हिरोकी ताकीजावा, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा के प्रमुख पार्क जी-वोन के साथ त्रिपक्षीय वार्ता के लिए सियोल में थे। जासूसी एजेंसी ने एक बयान में कहा कि बैठक के दौरान, उन्होंने कोरियाई प्रायद्वीप के आसपास की सुरक्षा स्थिति सहित सामान्य हित के मुद्दों पर स्पष्ट बातचीत की। शीर्ष खुफिया अधिकारियों ने उत्तर कोरिया के कम दूरी के मिसाइल प्रक्षेपण पर भी जानकारी साझा की और स्थिति का आकलन किया। पार्क ने सोमवार को अपने अमेरिकी और जापानी समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। वार्ता को फिर से शुरू करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए वाशिंगटन में दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के शीर्ष परमाणु दूतों के साथ लंबे समय से रुकी हुई परमाणुकरण वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए राजनयिक गतिविधियों की हड़बड़ी के बीच गोलीबारी हुई। मंगलवार की बैठक के दौरान, तीन खुफिया प्रमुखों ने आर्थिक सुरक्षा के मुद्दों पर भी चर्चा की, जैसे कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और तकनीकी रिसाव आदि। त्रिपक्षीय बैठक ने उत्तर कोरिया पर टोक्यो की नई नीति दिशा पर भी ध्यान आकर्षित किया, क्योंकि जापान के नए प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने इस महीने की शुरूआत में ताकीजावा की सियोल यात्रा की थी। तीनों नेताओं ने इससे पहले आखिरी बार मई में टोक्यो में इस तरह की त्रिपक्षीय बैठक की थी।

उत्तर कोरिया ने संभवत पनडुब्बी मिसाइल का परीक्षण किया : दक्षिण कोरिया

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने मंगलवार को समुद्र में कम से कम एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसे दक्षिण कोरियाई सेना ने पनडुब्बी से दागे जाने वाला हथियार बताया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यभार संभालने के बाद यह उत्तर कोरियाई सेना द्वारा हथियारों के सबसे महत्वपूर्ण प्रदर्शनों में से एक है। मिसाइल का परीक्षण ऐसे वक्त में हुआ जब कुछ घंटों पहले अमेरिका ने उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर कूटनीति बहाल करने की अपनी पेशकश दोहरायी।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया के एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने का पता लगाया है जिसे उसने पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल माना है। दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेनाएं इस प्रक्षेपण का करीबी विश्लेषण कर रही हैं। दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि प्रक्षेपण समुद्र में किया गया लेकिन उसने यह नहीं बताया कि क्या यह समुद्र के नीचे से पनडुब्बी से दागी गयी या समुद्र की सतह के ऊपर से दागी गयी। जापान की सेना ने कहा कि उसके प्रारंभिक विश्लेषण से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं और प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि अधिकारी यह पता लगा रहे हैं कि क्या ये पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल हैं।

प्रक्षेपण के बाद किशिदा ने इस महीने होने वाले जापान के विधायी चुनाव के मद्देनजर अपना प्रचार अभियान बीच में रोक दिया और वह तोक्यो लौट रहे हैं। उन्होंने अपनी सरकार को उत्तर कोरिया से बढ़ते खतरे को देखते हुए देश की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की समीक्षा करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, ''हम मिसाइल तकनीक में उत्तर कोरिया के हाल के विकास और जापान तथा क्षेत्र की सुरक्षा पर इसके असर को हल्के में नहीं ले सकते।'' उत्तर कोरिया ने इससे पहले पनडुब्बी से दागे जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण अक्टूबर 2019 में किया था। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक की और प्रक्षेपण को लेकर ''गहरा खेद'' जताया और कहा कि यह परीक्षण कूटनीति बहाल करने के प्रयासों के बावजूद किया गया है। दक्षिण कोरिया की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया उत्तर कोरिया को आक्रोशित कर सकती है।

उत्तर कोरिया सियोल पर उसके हथियार परीक्षणों की निंदा करने जबकि अपनी पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने का आरोप लगाता रहा है। जापान के उप प्रमुख कैबिनेट मंत्री योशिहिको इसोजाकी ने कहा कि जापान ने बीजिंग में अपने दूतावासों के जरिए उत्तर कोरिया के समक्ष ''कड़ा विरोध'' जताया है। जापान और उत्तर कोरिया के बीच कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव ''अहम चरण'' में है और उन्होंने इस मुद्दे को कूटनीतिक रूप से हल करने की प्रतिबद्धता दोहरायी। उत्तर कोरिया ने कई महीने बाद सितंबर में अपने हथियारों का परीक्षण तेज कर दिया। उसने दक्षिण कोरिया को सशर्त शांति वार्ता का प्रस्ताव भी दिया था। कुछ दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के उत्तर कोरिया के लिए विशेष दूत सुंग किम का, प्योंगयांग के साथ वार्ता बहाल करने की संभावनाओं पर, सियोल में अमेरिका के सहयोगियों के साथ वार्ता करने का कार्यक्रम है।

सार समाचार

खराब मौसम के कारण वेंकैया नायडू की सिक्किम यात्रा दो दिन के लिए टली

गंगटोक। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू की सिक्किम यात्रा खराब मौसम के मद्देनजर दो दिन के लिए टाल दी गई। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि नायडू अब बुधवार की बजाय शुक्रवार को इस हिमालयी राज्य का दौरा करेंगे। इस दौरान उप राष्ट्रपति दक्षिण सिक्किम के नामची में प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया के नाम पर बने एक स्टेडियम का उद्घाटन करेंगे। सिक्किम के खेल एवं युवा मामलों के सचिव राजू बसनेत ने एक विज्ञप्ति में बताया, ''लगातार खराब मौसम के कारण माननीय उप राष्ट्रपति का दौरा स्थगित कर दिया गया। इसी तरह नामची में बाइचुंग स्टेडियम के उद्घाटन का कल (20 अक्टूबर) का कार्यक्रम भी टल गया और अब यह 22 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।

गुजरात: पुर्तगाली बैंक ने वापस किये साइबर ठगी में गंवाए व्यवसायी के 31 लाख रुपये

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा शहर में एक व्यवसायी को कथित तौर पर साइबर ठगों द्वारा पैसे की चपत लगाए जाने के बाद एक पुर्तगाली बैंक ने उक्त व्यवसायी के लगभग 31 लाख रुपये लौटा दिए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता रमेश शाह ने 'काक्सा जेराल डि डेपोसिटोस ब्रागा' बैंक की लिस्बन (पुर्तगाल) शाखा में 31 लाख रुपये जमा किये थे और वडोदरा की साइबर अपराध शाखा के कर्मचारियों द्वारा बैंक तथा लिस्बन की साइबर पुलिस से अनुरोध किये जाने के बाद राशि लौटा दी गई। साइबर पुलिस ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मामले की जांच के लिए एक टीम बनाई गई। एसबीआई के साथ मिलकर काम करते हुए हमने पुर्तगाली बैंक काक्सा जेराल डि डेपोसिटोस ब्रागा की मुंबई और लिस्बन स्थित शाखाओं तथा एसबीआई की फ्रैंकफर्ट, जर्मनी स्थित शाखा से संपर्क किया। हमने लिस्बन में साइबर अपराध पुलिस को भी पत्र लिखा और पैसे वापस करने का अनुरोध किया।'' शाह ने 'बोरोसिलिकेट ग्लास ट्यूब' के लिए एक जर्मन कंपनी से कच्चा माल खरीदा था और उसके खाते में भुगतान करने वाला था। तभी शाह को एक ईमेल मिला जिसका पता जर्मन कंपनी से मिलता जुलता था। ईमेल के जरिये साइबर ठगों ने शाह को बताया कि किसी कारणवश वह कंपनी के उस जर्मन बैंक के खाते में पैसे जमा नहीं कर सकते और उन्हें एक पुर्तगाली बैंक में पैसा जमा करना होगा।

श्रीलंका नेवी द्वारा नाव रोकने के बाद तमिलनाडु का मछुआरा लापता, 2 अन्य गिरफ्तार

चेन्नई। पुदुकोट्टई जिले का एक मछुआरा समुद्र में गिरने के बाद लापता हो गया, जबकि दो अन्य को तब गिरफ्तार किया गया। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब उनकी नाव को श्रीलंकाई नौसैनिक पोत ने समुद्र के बीच में रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सोमवार को हुई, जब तीन मछुआरे राजकिरण (30), सुगंथन (23), अरोकिया जेवियर (32) कच्चाथीवु में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास समुद्र में चले गए। श्रीलंकाई नौसैनिक पोत को देख मछुआरों ने भागने की कोशिश की। हालांकि, श्रीलंकाई नौसेना ने दो मछुआरों को हिरासत में ले लिया, जबकि राजकिरण समुद्र में गिर गया। श्रीलंकाई नौसेना के एक बयान में कहा गया है कि उन्होंने दो भारतीय मछुआरों को एक डूबते जहाज से बचाया है, जब वे श्रीलंकाई समुद्र में अवैध शिकार कर रहे थे, लेकिन एक तीसरा मछुआरा घटना के बाद लापता हो गया था और नौसेना उसकी तलाश कर रही है। बयान में कहा गया है कि नौसेना भारतीय ट्रॉलरों का पीछा करने में लगी हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप नौसेना के पोत के साथ टक्कर हो गई। बयान में कहा गया है कि दो बचाए गए मछुआरे जाफना के कांकेसंथुराई में हिरासत में लिया गया था।

घाटी में कश्मीरी युवकों को अब पत्थर नहीं हथगोले देकर फंसा रहा आईएसआई

नई दिल्ली। अपनी योजनाओं में लगातार विफल हो रहे आतंकवादी अब जम्मू-कश्मीर में नए सिरे से अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. लंबे समय तक चुप रहने के बाद घाटी में आतंकी अब कश्मीरी युवाओं को फंसाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं. लंबे समय तक घाटी में आतंकवादी संगठनों में शामिल होने वाले कश्मीरी युवाओं को सुरक्षा बलों से हथियार छीनने या पत्थर फेंकने को लेकर भुगतान किया जाता था, लेकिन अब उन्होंने युवाओं को बरगलाने का नया तरीका निकाला है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कश्मीर में ओवर ग्राउंड वर्कर को बड़ी संख्या में हैंड ग्रेनेड दिए गए हैं. ये OGW पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के इशारे पर युवाओं को पत्थर की जगह हथगोले फेंकने के लिए उकसा रहे हैं. इससे दो मकसद पूरे हो रहे हैं. पहले तो इससे सुरक्षाबलों को ज्यादा नुकसान होगा और दूसरा ग्रेनेड फेंकने के बाद इन युवाओं के पास आतंकी संगठन में जाने के अलावा और कोई चारा नहीं होगा. बड़ी संख्या में युवाओं को जोड़ने के लिए आतंकी संगठन अब इस योजना का इस्तेमाल कर रहे हैं.

बुरी तरह फंस रहे कश्मीर युवक

सुरक्षा बलों को यह भी जानकारी मिली है कि इस योजना के लिए न केवल युवाओं को पैसे दिए जा रहे हैं, बल्कि ग्रेनेड देते समय उनकी तस्वीरें भी ली जा रही हैं, ताकि बाद में मना करने पर उन्हें ब्लैकमेल किया जा सके. सुरक्षाबलों को मिली जानकारी के मुताबिक, कश्मीर के सफाकदल एमआर गंज, मलंगपोरा और पडगमपोरा, अचबल, चीनी चौक, डंगरपोरा और शेरबाग, लासजन बाईपास और पंथा चौक इलाकों में ओजीडब्ल्यू कश्मीरी युवाओं को भड़का रहे हैं. अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी कैंप में हड़कंप मच गया है.

नैनीताल में फटा बादल, चारधाम यात्रा ठप! आफत की बारिश ने उत्तर से दक्षिण भारत तक मचाया कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नैनीताल जिले के रामगढ़ गांव में मंगलवार की सुबह बादल फटने की सूचना है जिसके बाग लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि पुलिस दल और प्रशासन मौके पर पहुंच गया है। नैनीताल की एसएसपी प्रीति प्रियदर्शिनी के अनुसार, कुछ घायलों को मौके से बचा लिया गया है, लेकिन उनकी वास्तविक संख्या का अभी पता नहीं चल पाया है। जिले में सरोवर ओवरफ्लो हो गया है, जो सड़कों पर पानी भरकर भवन व घरों में घुस गया है।

नैनीताल में बादल फटा

उत्तराखंड में लगातार बारिश से नेपाल से आए तीन मजदूरों की सोमवार को मौत हो गई और रविवार तक हरिद्वार और ऋषिकेश पहुंचे चारधाम तीर्थयात्रियों को मौसम में सुधार होने तक हिमालय के मंदिरों में नहीं जाने को कहा गया है। जिलाधिकारी विजय कुमार जोगदांडे ने बताया कि मजदूर पौड़ी जिले के लैंसडाउन के समीप समाखल में एक तंबू में ठहरे हुए थे, तभी बारिश के कारण ऊपर एक खेत से मलबा गिर रहा था, जिससे वे जिंदा दब गए। केदारनाथ में रविवार रात से ही बारिश हो रही है लेकिन मंदाकिनी नदी अपने सामान्य स्तर पर बह रही है। मौसम विभाग ने 17 से 19 अक्टूबर के बीच उत्तराखंड के सभी 13 जिलों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश, बिजली गिरने, ओलावृष्टि और तेज हवाओं (60-70 किमी प्रति घंटे) की भविष्यवाणी की है।

उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार ने कहा है रामनगर-रानीखेत मार्ग स्थित लेमन ट्री रिज़ॉर्ट (तस्वीरों में) में लगभग 100 लोग फंस गए थे। वे सभी सुरक्षित हैं और उन्हें बचाने की प्रक्रिया जारी है। नदी के ओवरफ्लो होने से कोसी नदी का पानी रिजॉर्ट में घुसा, रिजॉर्ट का रास्ता अवरूद्ध है।

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश पर प्रधानमंत्री मोदी ने धामी, भटट् से की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की और मूसलाधार बारिश से प्रभावित राज्य की स्थिति के संबंध में जानकारी हासिल की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मोदी को राज्य की मौजूदा स्थिति के संबंध में जानकारी दी और बताया कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। प्रधानमंत्री ने भी धामी को स्थिति से निपटने के लिए हर आवश्यक मदद का आश्वासन दिया। सूत्रों ने बताया कि मोदी ने केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट से भी इस संबंध में बात की। भट्ट उत्तराखंड के ही रहने वाले हैं। उत्तराखंड में सोमवार को बारिश संबंधी घटनाओं में नेपाल के तीन मजदूरों सहित पांच लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य घायल हो गए थे। राज्य के अधिकारियों ने चारधाम तीर्थयात्रा के श्रद्धालुओं को मौसम में सुधार होने तक हिमालयी क्षेत्र स्थित मंदिरों की ओर ना जाने की सलाह दी है।

केरल में इदामलयार और पम्पा बांधों के द्वार खोले गए

केरल में जलस्तर में वृद्धि तथा आने वाले दिनों में और बारिश के अनुमान के मद्देनजर इदामलयार और पम्पा बांधों के द्वार मंगलवार को तड़के खोल दिए गए। राज्य सरकार के कक्की और शोलेयार बांध के द्वार खोलने के एक दिन बाद यह कदम उठाया गया है। एर्नाकुलम जिला प्रशासन ने इदामलयार बांध के दो और तीन नंबर के द्वार को 50 सेंटीमीटर तक खोलने की पुष्टि की है। वहीं, पतनमतिट्टा जिला प्रशासन ने पम्पा बांध के तीन और चार नंबर के द्वार को 45 सेंटीमीटर तक खोलने की पुष्टि की। राज्य सरकार ने सोमवार को घोषणा की थी कि पेरियार नदी के इर्द-गिर्द बने इडुक्की बांध, एर्नाकुलम में इदामलयार बांध और पतनमतिट्टा में पम्पा बांध के द्वारों को मंगलवार को खोला जाएगा। केरल में पिछले सप्ताह भारी बारिश के बाद अब कई हिस्सों में हालांकि वर्षा धीमी हुई है, लेकिन इन बांधों में पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर होने तथा बुधवार से और बारिश के अनुमान के मद्देनजर बांधों के द्वार खोलने का निर्णय किया गया है। मौजूदा स्थिति तथा मौसम के और खराब होने के अनुमान के कारण सोमवार को सबरीमला में भगवान अयप्पा मंदिर में थुला मासम पूजा के लिए तीर्थयात्रा को भी रोक दिया गया था।

निचले इलाकों और उन नदियों के पास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और राहत शिविरों में पनाह लेने का सुझाव दिया गया है, जहां के बांध खोले जाने हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के अनुसार, केरल में 12 से 18 अक्टूबर के बीच बारिश संबंधी घटनाओं में 38 लोगों की मौत हुई है। इस अवधि में कम से कम 90 मकान नष्ट हुए, जबकि 702 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

ओवैसी भी भारत-पाक मैच के खिलाफ, तंज कसते हुए कहा- चीन के डर से बिना चीनी की चाय पीते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जम्मू कश्मीर में हाल में ही बढ़ती आतंकी हमलों को देखते हुए एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जबरदस्त हमला बोला है। अपने बयान में ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा दो विषयों पर नहीं बोलते हैं। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों पर और दूसरा चीन हमारे क्षेत्र में आ जाता है पर वह चुप रहते हैं। ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन पर बोलने से डरते हैं। ओवैसी ने तो पीएम पर तंज कसते हुए यहां तक कह दिया कि वह चाय में चीनी तक नहीं डालते कि कहीं यह चीन ना निकल जाए। ओवैसी ने कहा कि जब पाकिस्तान ने पुलवामा हमला किया तो मोदी ने कहा था कि हम घर में घुस कर मारेंगे। हमने भी कहा था कि मारो। लेकिन जब चीन घुसपैठ करता है तब प्रधानमंत्री हाथ पर हाथ धरे बैठ जाते हैं।

पाकिस्तान पर निशाना

ओवैसी ने कहा कि हमारे बिहार के लोगों पर हमला हुआ है। लेकिन प्रधानमंत्री चुप हैं। इसके साथ ही ओवैसी ने भारत-पाकिस्तान मैच पर भी सवाल उठाए। ओवैसी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि हमारे 9 जवान मारे गए और 24 तारीख को भारत और पाकिस्तान ञ्20 मैच खेलने की तैयारी कर रहे हैं। क्या आप ने नहीं कहा था कि भारत के सैनिक मर रहे हैं और मनमोहन सिंह की सरकार पाकिस्तान को बिरयानी खिला रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज पाकिस्तान कश्मीर में भारत के गरीबों की जिंदगी से टी20 खेल रहा है और आप क्या कर रहे हैं? ओवैसी ने कश्मीर को लेकर आईबी और अमित शाह पर भी सवाल उठाए।

24 अक्टूबर को मैच

आपको बता दें कि हाल में ही जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को सक्रिय होता हुआ देखा गया है। अब तक कई मुठभेड़ हुए हैं जिसमें हमारे 9 जवान शहीद हो गए हैं। इसके अलावा अब आतंकवादी आम लोगों को भी निशाना बना रहे हैं जिनमें अब तक 9 लोगों की मृत्यु हो गई है। दूसरी ओर टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 24 अक्टूबर को होना है। यह मुकाबला ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों देशों के बीच आतंकवाद को लेकर तनातनी दिखाई दे रहा है।

महिलाओं को टिकट देने के ऐलान को लेकर मायावती ने साधा कांग्रेस पर निशाना

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने का ऐलान करने वाली कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि इस पार्टी की सरकार ने आधी आबादी के कल्याण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट में यह भी कहा कि कांग्रेस अगर महिलाओं को वाजिब भागीदारी देना चाहती थी तो उसने अपने शासनकाल में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून क्यों नहीं बनाया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'कांग्रेस जब सत्ता में होती है व उसके अच्छे दिन होते हैं तो उसे दलित, पिछड़े व महिलाएं आदि

की याद नहीं आती, किन्तु अब जब इनके बुरे दिन नहीं हट रहे हैं तो पंजाब में दलित की तरह यूपी में इनको महिलाएं याद आई हैं। उन्हें 40 प्रतिशत टिकट देने की घोषणा कांग्रेस की कोरी चुनावी नाटकबाजी है।' उन्होंने कहा, 'महिलाओं के प्रति कांग्रेस की चिन्ता अगर इतनी ही वाजिब व ईमानदार होती तो केन्द्र में उसकी सरकार ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून क्यों नहीं बनाया? कहना कुछ व करना कुछ कांग्रेस का स्वभाव है, जो उसकी नीयत व नीति पर प्रश्नचिन्ह खड़े करता है।'

मेरठ : दो दिन की बेमौसम बारिश ने बदला मौसम , फसलों को भी पंहुचा नुक्सान

मेरठ (एजेंसी)।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पिछले दो दिनों से हो रही बारिश ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। जहां बारिश ने लोगों को सर्द मौसम की आहट का भी एहसास तो करा ही दिया वही बारिश से फसलों को नुकसान भी पहुंचा । खेतों मे पानी भरने से किसान ज्यादा परेशान होता नजर आ रहा है। वहीं धान की पकी फसल में काफी नुकसान होने की संभावना है।

रविवार और सोमवार की बारिश ने सर्द मौसम का अहसास कराना प्रारंभ कर दिया है। वहीं फसलों में नुकसान होने की संभावना बढ़ गयी है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. ओमवीर ने बताया कि इस बारिश से धान की पकी फसल मे नुकसान होगा। जिन किसानों के धान की फसल खेतों में कटी पड़ी है, उसमें और अधिक नुकसान होगा तथा दाना काला पड़ने की संभावना रहेगी। इसके अलावा जिन किसानों ने सब्जी की फसल या सरसों बो

दी है, उसमें भी काफी नुकसान रहेगा। जिन किसानों ने आलू की फसल की बुवाई कर दी है, उसमें आलू का जमाव काफी कम हो जाएगा और उत्पादन पर भी काफी प्रभाव पड़ेगा।

गंगा किनारे बसे सिरजेपुर के बल्लू पाल सिंह, हादीपुर गांवड़ी के प्रधान रणवीर सिंह का कहना है कि खादर क्षेत्र में तो गेहूं की बुवाई की तैयारियां प्रारंभ कर दी थी और खेतों की जुताई कर गेहूं की बुवाई करनी थी। खादर क्षेत्र में तराई होने के कारण गेहूं की बुवाई अब कार्तिक पूर्णिमा के आस पास ही हो सकेगी।

बंगाल उपचुनाव: कूचबिहार में भाजपा उम्मीदवार, विधायक के साथ धक्का-मुक्की

कूचबिहार (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में आगामी विधानसभा उपचुनाव के लिए मंगलवार को प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी के एक उम्मीदवार और एक विधायक के साथ कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा के एक सांसद की मौजूदगी में धक्का-मुक्की की। हालांकि, स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने इस घटना में पार्टी कार्यकर्ताओं की संलिप्तता से इनकार किया है। जलपाईगुड़ी से भाजपा के सांसद जयंत रॉय की मौजूदगी में नायरहाट में चुनाव प्रचार के दौरान दिनहाटा विधासनभा सीट के लिए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार अशोक मंडल और नाताबाड़ी से पार्टी के विधायक मिहिर गोस्वामी के साथ धक्का-मुक्की हुई।

यहां कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे भाजपा नेताओं के लिए 'वापस जाओ' के नारे लगाए। यहां 30 अक्टूबर को उप चुनाव होना है। मंडल और गोस्वामी को सोमवार को बामनहाटा इलाके में भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया

कि पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रचार से रोकने के लिए ऐसी हरकत की गई।

दिनहाटा विधानसभा सीट से जीतने वाले उम्मीदवार और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक के अपने लोकसभा सीट पर ही बने रहने के बाद, इस विधानसभा सीट पर उपचुनाव की जरूरत पड़ी। तृणमूल कांग्रेस ने यहां से उदयन गुहा को फिर से टिकट दिया है, जो प्रमाणिक से चुनाव हार गए थे। दिनहाटा के अलावा शांतिपुर (नदिया), गोसाबा (दक्षिण 24 परगना) और खरदा (उत्तर 24 परगना) सीटों पर भी उपचुनाव होंगे।

भारत में घुसपैठ की फिराक में लश्कर ए तैयबा के दो आतंकी समूह, पुंछ में चल रहा तलाशी अभियान, सेना प्रमुख ने किया एलओसी का दौरा

श्रीनगर। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में इन दिनों आतंकवादी घटनाओं में बढ़ोत्तरी हुई है। इसी बीच भारतीय सेना ने पुंछ और राजौरी सेक्टर में आतंक विरोधी अभियान को तेज कर दिया है, यहां के जंगलों में कई बार आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो चुकी हैं। वहीं, खुफिया एजेंसियों को कई तरह के इनपुट मिले हैं।

अनंतनाग में अलर्ट जारी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकवादी बौखलाहट में सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड हमला कर सकते हैं। जिसको ध्यान में रखते हुए अनंतनाग जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया है। जिसके बाद सुरक्षाकर्मी और भी ज्यादा चौकस हो गए हैं।

आपको बता दें कि लश्कर ए तैयबा के कई आतंकवादी पिछले कुछ दिनों से पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में रुके हुए हैं। बताया जा रहा है कि पीओके में एलईटी के दो आतंकवादी समूह में मौजूद 8 आतंकी भारत में घुसपैठ करने की फिराक में हैं।

9 दिन से जारी है तलाशी अभियान

नियंत्रण रेखा के करीब पुंछ सेक्टर और राजौरी सेक्टर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच कई बार मुठभेड़ की खबरें सामने आ चुकी हैं। जिसके बाद नौ दिनों से सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक यह इलाका पर्वतीय है और जंगल काफी ज्यादा घना है जिससे तलाशी अभियान मुश्किल और बेहद खतरनाक हो गया है। अभी तक इलाके में छिपे आतंकवादियों से तीन बार सामना हो चुका है।

सेना प्रमुख ने किया एलओसी का दौरा

सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने मंगलवार को नियंत्रण रेखा के अग्रिम इलाकों का दौरा किया और उन्हें क्षेत्र में जमीनी स्थिति और आतंक विरोधी अभियानों की जानकारी दी गई। भारतीय सेना के अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशक ने ट्वीट किया कि सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने नियंत्रण रेखा पर व्हाइट नाइट कोर के अग्रिम इलाकों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

28 से 31 अक्टूबर तक 'आधार हैकथान 2021', UIDAI कर रहा आयोजन

नई दिल्ली। 28 से 31 अक्टूबर तक 'आधार हैकथान 2021' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन UIDAI कर रही है। इसका लक्ष्य युवा इनोवेटर्स हैं जो अभी विभिन्न इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट्स में हैं और वास्तविक दुनिया में कदम रखने को व्याकुल हैं। इलेक्ट्रोनिक्स और आइटी मंत्रालय ने सोमवार को बयान जारी किया था जिसके अनुसार हैकथानका आयोजन 28 अक्टूबर मध्यरात्रि से शुरू होकर 31 अक्टूबर तक जारी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया है। यह प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचारों का जश्न मनाने और सेवा वितरण को अगले स्तर तक ले जाने का वर्ष है। यह वर्ष आधार के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अपने अस्तित्व के अगले दशक में प्रवेश कर रहा है, जिसका मकसद नागरिकों के अनुभव और यूआईडीएआई द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं को और बेहतर बनाना है। आधार हैकाथान 2021 दो विषयों पर आधारित है। पहला विषय नामांकन और अपडेट से संबंधित है, जो वास्तव में निवासियों द्वारा अपना पता अपडेट करते समय सामने आने वाली कुछ वास्तविक चुनौतियों को कवर करता है। वहीं हैकथान का दूसरा थीम UIDAI द्वारा दिए गए पहचान और प्रमाणीकरण साल्यूशन से संबंधित है। इस विषय के तहत, UIDAI आधार संख्या या किसी भी जनसांख्यिकी जानकारी को साझा किए बिना पहचान साबित करने के लिए अभिनव समाधान का उपाय कर रहा है। इसके अलावा, यह चेहरा प्रमाणीकरण एपीआई से जुड़े नवीन अनुप्रयोगों की तलाश कर रहा है। एपीआई नया प्रमाणीकरण तरीका है जिसे UIDAI ने ही शुरू किया है। इसका मकसद नागरिकों की जरूरतों को हल करने के लिए कुछ मौजूदा और नए एपीआई को प्रचलित करना है।

ब्रिटेन के ग्लासगो सीओपी-26 सम्मेलन में भाग ले सकते हैं पीएम मोदी

31 अक्तूबर से होगा शुरू

"ब्रिटेन के ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सीओपी-26 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव भी इस दौरान विभिन्न सत्रों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह सम्मेलन 31 अक्तूबर से 11 नवंबर तक आयोजित होगा।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जलवायु परिवर्तन पर ब्रिटेन के ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सीओपी-26 सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। यह सम्मेलन 31 अक्तूबर से 11 नवंबर तक आयोजित होगा। हालांकि अभी कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

विकसित देशों को वादे के तहत करनी होगी आर्थिक सहायता- भूपेंद्र यादव

प्रधानमंत्री मोदी के अलावा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव भी इस दौरान विभिन्न सत्रों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में है जो कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सतत प्रक्रिया के तहत काम कर रहा है। इतना ही नहीं, अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत द्वारा किए जा रहे प्रयासों को हाल में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने भी सराहा। पीएम मोदी से टेलीफोन वार्ता के दौरान उन्होंने भारत को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का अगुवा बताया।

पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक सीओपी -26 में इस बार बैठक में ग्लोबल वार्मिंग के स्तर और जलवायु शमन और अनुकूलन वित्त से 1.5 डिग्री तक सीमित करने के लिए रोडमैप, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन को कम करने के प्रभावी उपायों को लागू करने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए 100 करोड़ रुपये हर साल देने के वादे की प्रतिबद्धता जैसे विषय सम्मेलन के एजेंडे में हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के अलावा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव भी इस दौरान विभिन्न सत्रों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के उन गिने—चुने देशों में है जो कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सतत प्रक्रिया के तहत काम कर रहा है।

आईपीसीसी की रिपोर्ट ने साफ कर दिया है कि दुनिया में बढ़ते औद्योगीकरण के कारण ग्लोबल वार्मिंग के असर को 1.5 डिग्री नीचे रखने का मौका अब दुनिया ने लगभग खो दिया है। 2040 तक ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ने के आसार हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में 13 नवंबर तक सुनवाई टली

मुंबई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि के मामले में ठाणे की अदालत ने 13 नवंबर तक के लिए सुनवाई टाल दी है। उनके वकील ने मुकदमे की सुनवाई 13 नवंबर तक टलने की जानकारी दी है। राहुल गांधी ने साल 2014 में भिवंडी की एक रैली में आरएसएस के खिलाफ अपमानजनक बयान दिया था जिसके खिलाफ आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने मानहानि का मामला दायर किया है। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने मंगलवार को कहा कि 2014 के मामले में सुनवाई 16 अक्तूबर को भिवंडी में एक मजिस्ट्रेट के समक्ष होनी थी। चूंकि बॉम्बे हाईकोर्ट ने 16 अक्तूबर को अवकाश घोषित किया था, इसलिए उस दिन सुनवाई के लिए सूचीबद्ध सभी मामलों को 13 नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

क्या है मामला–कांग्रेस सांसद ने रैली में आरोप लगाया था कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे आरएसएस का हाथ था। कुंटे ने महात्मा गांधी और आरएसएस के संबंध में कांग्रेस नेता की टिप्पणी को भड़काऊ और आपत्तिजनक करार देते हुए भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। राहुल गांधी कई बार अदालत में पेश हो चुके हैं और एक सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि वह मामले में दोषी नहीं हैं।

घबराहट खराब करने लगी बच्चों की पढ़ाई लिखाई, महामारी में दोगुने हुए मामले

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के दौरान अवसाद और घबराहट का शिकार हुई कम उम्र वाली आबादी यानी बच्चों और किशोरों ने बड़ा भावनात्मक आघात झेला है। लेकिन अब पता चला है कि यह मनोविकार बच्चों की तो पढ़ाई-लिखाई ही खराब कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन दिनों अनिश्चितताओं से घिरे बच्चों में घबराहट का असर अब कक्षाओं में भी दिखने लगा है। क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ब्रिस्बेन में शिक्षा विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक एलिजाबेथ जे एडवर्ड्स के मुताबिक, अकेले ऑस्ट्रेलिया में हर सात में से एक नागरिक बेचैनी से गुजर रहा है। वहीं, बच्चों में तो यह स्थिति ज्यादा चिंताजनक हो गई है। देशभर में 6.1 फीसदी लड़कियां और 7.6 फीसदी लड़के यह नकारात्मक एहसास झेल रहे हैं।

क्या है घबराहट–घबराहट की वजह से शरीर में धड़कन तेज होना, पेट में कुछ घुमड़ने का एहसास होना, चिंता और बेचैनी का अनुभव होने लगता है। बच्चों को इम्तिहान देने से पहले या ऐसी ही किसी तनाव वाली स्थिति में इस समस्या से जूझना पड़ सकता है। जब घबराहट असहनीय हो जाए तो यह हमारे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करते हुए बड़ी समस्या बन जाती है।

घबराहट के केस दोगुने–अध्ययनों का कहना है कि बच्चों में घबराहट शुरू होने की औसतन आयु 11 वर्ष देखी गई है। गौर करने वाली बात है कि ये आंकड़े महामारी से पहले के हैं। लेकिन जर्नल फॉर द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जामा) द्वारा इस साल अगस्त में प्रकाशित शोध का कहना है, दुनियाभर में 25 फीसदी युवा अत्यधिक घबराहट से पीड़ित हैं। अध्ययन में बताया गया कि पहले के आंकड़ों की तुलना में कोरोना काल में अवसाद और घबराहट के मामले दोगुने हो गए हैं।

अकादमिक प्रदर्शन पर यूं डालती है असर–ध्यान देने वाले विषयों के चयन (अटेंशन कंट्रोल) के सिद्धांत के अनुसार, घबराहट मानसिक क्षमताओं को प्रभावित करती है। वयस्कों में कामकाज के स्तर पर इसका बुरा प्रभाव होता है, तो बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर।

दलबदलुओं को पार्टी में लेने पर सावधान है कांग्रेस, एंट्री देगी पर बड़ा रोल नहीं; बनाई यह रणनीति

नई दिल्ली। कई राज्यों में विधायकों के पाला बदलने से राजनीतिक नुकसान उठा चुकी कांग्रेस घर वापसी को लेकर सतर्क है। पार्टी विश्वासघात करने वाले विधायकों और नेताओं के साथ कोई रियायत बरतने के हक में नहीं है। हालांकि, दलबदलुओं को लेकर पार्टी का रुख नरम है। ऐसे विधायकों और नेताओं की चुनाव में घर वापसी पर पार्टी को कोई ऐतराज नहीं है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बीच उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में कांग्रेस के कई पुराने नेता और विधायक घर वापसी कर रहे हैं। उत्तराखंड में कुछ दिन पहले ही वरिष्ठ नेता यशपाल आर्य और उनके बेटे व विधायक संजीव आर्य ने पार्टी में वापसी की है। वहीं, गोवा और मणिपुर में भी कई विधायक वापसी करना चाहते हैं। पर पार्टी जल्दबाजी के हक में नहीं है। कांग्रेस के अंदर यह राय जोर पकड़ रही है कि जिन विधायकों और नेताओं मुश्किल वक्त में पार्टी छोड़ी है, उन्हें वापसी का मौका नहीं मिलना चाहिए। यदि उन्हें वापस लिया जाता है तो उन्हें पार्टी के वफादार विधायकों और नेताओं के मुकाबले तरजीह नहीं दी जानी चाहिए। ताकि, बाकी लोगों में भी संदेश जाएगा और दूसरे नेता और विधायक भी ऐसा करने से पहले विचार करेंगे।

उत्तराखंड में कुछ दिन पहले ही वरिष्ठ नेता यशपाल आर्य और उनके बेटे व विधायक संजीव आर्य ने पार्टी में वापसी की है। वहीं, गोवा और मणिपुर में भी कई विधायक वापसी करना चाहते हैं।

हरीश रावत ने दिए थे इस तरह के संकेत–मतलब साफ है कि पार्टी दलबदलुओं को वफादारी पर तरजीह नहीं देगी। उत्तराखंड के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने भी पिछले दिनों कुछ इस तरह के संकेत दिए। उन्होंने कहा था कि ऐसे लोगों को ज्यादा तरजीह देने के हक में नहीं हैं। इससे साफ है कि पार्टी दलबदलुओं को बहुत ज्यादा तरजीह देने के हक में नहीं है। पर चुनावी मौसम में पार्टी को घर वापसी पर ऐतराज नहीं है।

गोवा में कांग्रेस सरकार बनाने से चूक गई थी–गोवा में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद सरकार बनाने से चूक गई थी। इसके बाद कई विधायकों ने पाला बदल लिया। अब कुछ विधायक वापसी चाहते हैं, पर पार्टी ने अपना रुख साफ कर दिया है। गोवा के चुनाव पर्यवेक्षक पी.चिदंबरम ने ऐसे नेताओं को साफ कर दिया कि कांग्रेस दल बदलने वालों को माफ कर सकती है, पर विश्वासघात को कभी नहीं भूलेंगे।

विश्वविद्यालयों के नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने में लगेगा वक्त

यूजीसी जल्द ही जारी कर सकता है संशोधित दिशा निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) सहित सभी शिक्षा बोर्डों ने बारहवीं के नतीजे भले ही 31 जुलाई तक जारी कर दिए थे, देश के ज्यादातर विश्वविद्यालयों में अभी तक नया शैक्षणिक सत्र शुरू नहीं हो सका है। अभी भी इनमें दाखिले की प्रक्रिया ही चल रही है। माना जा रहा है कि नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने में अभी कुछ और समय लग सकता है। ये भी संकेत मिल रहे हैं कि नए शैक्षणिक सत्र को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) जल्द ही संशोधित दिशा-निर्देश जारी कर सकता है। विश्वविद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने में यह देरी ऐसे समय में हो रही है जबकि यूजीसी कोरोना के चलते बुरी तरह लड़खड़ाए शैक्षणिक सत्र को पटरी पर लाने की कोशिशों में जुटा है। यही वजह है कि यूजीसी ने समय रहते ही नए शैक्षणिक सत्र को लेकर दिशा-निर्देश जारी कर दिया था। इसमें 30 सितंबर तक दाखिला प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया था। हर हाल में 18 अक्टूबर से नए सत्र की पढ़ाई शुरू करने और अगले साल एक अगस्त तक इस सत्र को पूरा करने के का निर्देश भी दिया था। बावजूद इसके अभी दिल्ली विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय सहित देश के ज्यादातर विश्वविद्यालयों में दाखिले की ही प्रक्रिया चल रही है। इसके पूरा होने में अभी कम से कम 15 दिन और लगेंगे। इलाहाबाद जैसे विश्वविद्यालयों में यह अवधि और भी बढ़ सकती है।वैसे भी नए शैक्षणिक सत्र में हो रही देरी को देखते हुए करीब दर्जनभर विश्वविद्यालयों ने यूजीसी से मार्गदर्शन भी मांगा है।

अब त्रिशूल और वज्र की मार से भागेंगे चीनी सैनिक, भारतीय सेना को मिलेंगे पारंपरिक हथियार

नई दिल्ली। गलवान घाटी में हुए संघर्ष के दौरान चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों पर नुकीले तार वाली छड़ों व बिजली के झटके देने वाली बंदूक का प्रयोग किया था। इसके बाद अब वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हिंसक झड़प होने की स्थिति में चीन की सेना के इन हथियारों से भारतीय सुरक्षा बल त्रिशूल, व्रज जैसे पारंपरिक हथियारों से निपट सकेंगे।

गलवान संघर्ष के बाद नोएडा की फर्म ने तैयार किए–गलवान घाटी में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत व चीन सैनिकों के बीच हुए संघर्ष के बाद नोएडा की एक स्टार्टअप फर्म अपेस्टरॉन प्राइवेट लिमिटेड ने यह गैर घातक तैयार किए हैं। सुरक्षा बलों की तरफ से उन्हें चीनी सेना के हथियारों से निपटने में सक्षम उपकरण प्रदान करने का काम सौंपा गया था। फर्म के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी मोहित कुमार ने कहा कि जब चीनी सैनिकों ने गलवान में तार की छड़ें और टेसर इस्तेमाल किया था। इसके बाद भारत ने गैर-घातक उपकरण के लिए कहा था।

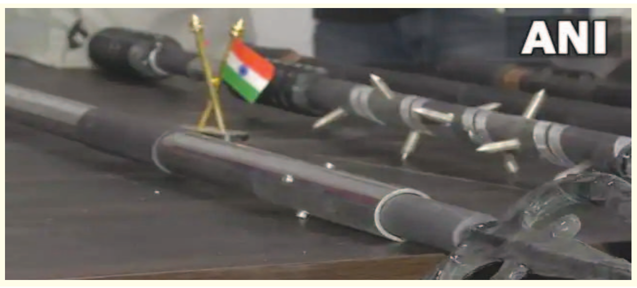

● फर्म के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी मोहित कुमार ने कहा कि हमने भारतीय सुरक्षा बलों के लिए अपने पारंपरिक हथियारों से प्रेरित होकर गैर घातक हथियार तैयार किए हैं। उन्होंने कहा कि हमने मेटल रॉड से बना हुआ नुकीला टेसर बनाया है। व्रज नाम से तैयार इस टेसर का प्रयोग दुश्मन सैनिकों पर सामने से आक्रामक हमला करने व वह उनके बुलेट प्रूफ वाहनों को पंचर करने के लिए भी किया जा सकता है।

बुलेट प्रूफ वाहन को भी पंचर करने में सक्षम–फर्म के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी मोहित कुमार ने कहा कि हमने भारतीय सुरक्षा बलों के लिए अपने पारंपरिक हथियारों से प्रेरित होकर गैर घातक हथियार तैयार किए हैं। उन्होंने कहा कि हमने मेटल रॉड से बना हुआ नुकीला टेसर बनाया है। व्रज नाम से तैयार इस टेसर का प्रयोग दुश्मन सैनिकों पर सामने से आक्रामक हमला करने व वह उनके बुलेट प्रूफ वाहनों को पंचर करने के लिए भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि करंट छोड़ने वाला यह टेसर दुश्मन सैनिकों को आमने-सामने की लड़ाई के दौरान अप्रभावी बना सकता है।

केरल में 10 बांधों के लिए रेड अलर्ट जारी

20 से ज्यादा राज्यों में हो सकती है भारी बारिश

पतनमथिट्टा। केरल में हो रही जबर्दस्त बारिश से नदियों, तालबों का जलस्तर बढ़ने के कारण 10 बांधों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। खतरे को देखते हुए काकी डैम के दो शटर को खोल दिया गया है। राज्य सरकार ने बारिश और भूस्खलन से हुई तबाही के कारण सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर को फिलहाल बंद रखने का निर्णय लिया है। राज्य के राजस्व मंत्री के राजन ने सोमवार को पतनमथिट्टा के कलक्ट्रेट में समीक्षा बैठक और हालात का आकलन करने के बाद मीडियाकर्मियों को बताया कि पम्पा नदी का जलस्तर करीब 15 सेंटीमीटर बढ़ने के कारण सरकार ने काकी डैम को खोल कर करीब 200 क्यूमेक्स पानी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला डैम के जलस्तर के खतरे के निशान को पार करने और मौसम विभाग द्वारा 20 अक्तूबर को भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि अभी डैम का पानी नहीं छोड़ा गया तो हालात और बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हालात को देखते हुए अभी सबरीमाला में पूजा की अनुमति नहीं दी जा सकती। उल्लेखनीय है कि भगवान अयप्पा मंदिर में तुला पूजा के लिए इसे 16 अक्तूबर से खोला गया था।

आठ डैम के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

मंत्री ने कहा कि पम्पा नदी के तटों पर रहने वाले लोगों को वहां से हटाने की तैयारी कर ली गई है। फिलहाल जिले में 83 कैम्प बनाए गए हैं, जिनमें 2,000 से ज्यादा लोग रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। जिन 10 बांधों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है उनमें काकी, शोलयार, मातुपट्टी, मूझियार, कुंडाला और पीची सहित ज्यादातर पतनमथिट्टा, इडुकी और त्रिशूर जिले में स्थित हैं। इसके अलावा आठ अन्य डैम के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

प्रेम की नैया...

प्रेम किसी बाधा को नहीं मानता, यहां तक कि कुदरत के क्रोध की भी परवाह नहीं करता। इस भीषण आपदा में भी एक नव दंपती ने मंडप तक पहुंचने के लिए बड़े कड़ाह में बैठकर पानी से लबालब भरी गलियों को पार किया। यह स्वास्थ्यकर्मी दंपती अपने जीवन के नए अध्याय को शुरू करने के लिए इस खास अवसर को नहीं गंवाना चाहता था।

20 राज्यों में अगले कुछ दिन भारी बारिश की आशंका–पिछले दो दिनों से चल रहा भारी बारिश का सितम अगले कुछ और दिनों तक जारी रहेगा और इसकी जद में उत्तर-पूर्व के सभी राज्य, उत्तर भारत और दक्षिण भारत के अधिकांश राज्य रहेंगे। मौसम विभाग के वरिष्ठ विज्ञानी नरेश कुमार के अनुसार, देश के कम से कम 20 राज्यों में अगले कुछ दिन भारी बारिश की आशंका बनी हुई है। दिल्ली में अक्तूबर महीने में 1960 के बाद से अब तक की सबसे अधिक 94.6 एमएम बारिश दर्ज की जा चुकी है। कुमार के अनुसार, देश में अभी मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल में दो कम दबाव के क्षेत्र बने हुए हैं जबकि अफगानिस्तान में पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली और इससे सटे राज्यों में बारिश हो रही है। इस पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश होगी जबकि बंगाल के कम दबाव के क्षेत्र का असर उत्तर पूर्व के राज्यों पर पड़ेगा। मौसम विभाग ने इन सभी राज्यों में 12 से लेकर 20 सेंटीमीटर तक बारिश की आशंका जताई है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईलः-987914180
या फोटो,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-krantisamay@gmail.com